RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 136 ● भिलाई, मंगलवार 02 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में रोडवेज बस ने ऑटो को रौंदा, शादी में शामिल होने जा रहे थे

मुरादाबाद। रोडवेज बस ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई. जबकि एक बच्ची समेत 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हादसा रविवार की दोपहर 3 बजे के आसपास दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मूंडापांडे इलाके के जीरो प्वाइंट पर हुआ. ऑटो चालक माटी उर्फ संजू पुत्र मुन्ना सिंह निवासी अब्दुल्लापुर कुंदरकी अपने परिवार के साथ रफतपुर कटघर में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे. इस दौरान मूंडापांडे इलाके के जीरो प्वाइंट पर सामने से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने ऑटो में टक्कर मार दी. हादसे में ऑटो में पीछे बैठे सभी 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बच्ची समेत 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद अफरातफरी मच गई. लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ऑटों में फंसे सभी लोगों को अस्पताल भिजवाया. वहां चिकित्सकों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया. एसपी सिटी कुमार रणवीर सिंह ने बताया कि ऑटो में सवार होकर कुछ लोग शादी में जा रहे थे. ऑटो सवार थाना कुंदरकी के अब्दुल्लापुर के रहने वाले थे. बस ने ऑटो में टक्कर मारी. हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है. दो लोग घायल है.

सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत पिता घायल

बांकुड़ा। जिले के रसुलपुर इलाके में आज दोपहर एक सड़क दुर्घटना में एक महिला और उसके 12 वर्षीय बेटे की मौत हो गई, जबकि महिला का पति बाल-बाल बच गया। घटना बांकुड़ाङ्कबर्द्धमान राज्य सड़क पर देउली मोड़ के पास हुई। मिली जानकारी के अनुसार, दंपति और उनका बेटा बाइक पर सवार होकर रसुलपुर से बर्द्धमान की ओर जा रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर जा गिरे। इसके बाद ट्रक का पहिया मां और बच्चे के ऊपर से गुजर गया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी और बेटे को अपनी आंखों के सामने खो देने के बाद पिता घटनास्थल पर ही स्तब्ध बैठकर रोने लगे।

संसद ड्रामा करने की जगह नहीं

विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा-पीएम मोदी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद 'ड्रामा' करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है. संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं. मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें ज.म्मिेदारी की भावना से काम करने की ज.रूरत है. संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है. पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नाटक के लिए बहुत जगह है; जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें. संसद नाटक के लिए जगह नहीं है; यह काम करने की जगह है. हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं. आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं. आप वहां

भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है. लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर. बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी. विपक्ष ने इस बार भी कहा है कि संसद में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा उसकी प्राथमिकता है और वह अपनी मांग शीतकालीन सत्र में पुरजोर तरीके से उठाएगा. मोदी ने कहा कि कुछ समय से संसद का इस्तेमाल या तो चुनावों के लिए कथित तैयारी के लिए या चुनाव में हार के बाद अपनी हताशा निकालने के लिए किया जा रहा है. बिहार चुनावों में विपक्ष की करारी हार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनावी नतीजों से विचलित है और हार को पचा नहीं पा रहा. प्रधानमंत्री ने कहा, हार अवरोध पैदा करने का आधार नहीं बननी चाहिए, और जीत भी अहंकार में नहीं बदलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि बिहार में रिकॉर्ड मतदान लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और विपक्ष को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए चुनावी हार के बाद के अवसाद से बाहर आना चाहिए. प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है.

दिल्ली समेत अन्य हवाई अड्डों पर हुआ साइबर हमला संसद में सरकार ने जीपीएस स्पूफिंग की बात कबूल किया

नवंबर महीने की शुरुआत में देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर हवाई सेवाओं के संचालन में भारी परेशानी देखने को मिली थी। दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर करीब 800 उड़ानें प्रभावित हुईं। इस दौरान एटीसी की तरफसे ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम में खराबी बताया गया था। लेकिन अब केंद्र सरकार ने संसद में एक लिखित बयान में स्वीकार किया है कि दिल्ली समेत देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर साइबर हमला हुआ था, यानी इन सभी हवाई अड्डों पर आने और यहां से उड़ान भरने वाले विमान जीपीएस स्पूफिंग का शिकार हुए हैं। जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है, जिसमें नकली सिग्नल भेजकर किसी भी डिवाइस को गलत लोकेशन दिखाई जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को दिया बड़ा आदेश

सुप्रीम ने कहा-पहले डिजिटल अरेस्ट घोटाले की जांच करें..

नई दिल्ली। एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज सीबीआई को अहम निर्देश दिए। शीर्ष अदालत ने देश की संघीय जांच एजेंसी से कहा कि वह पहले अखिल भारतीय स्तर पर सामने आ चुके डिजिटल अरेस्ट घोटाले के मामलों की जांच करे। सुप्रीम कोर्ट ने विपक्षी राजनीतिक दलों के शासन वाले राज्यों- पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों से भी डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े मध्यस्थों को भी निर्देश दिए।

अदालत ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से संबंधित घटनाओं की जांच में सीबीआई को पूरा विवरण मुहैया कराएं और सहयोग भी प्रदान करें। कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि जांच एजेंसी टैक्स के पनाहगाह विदेशी ठिकानों और देशों से संचालित साइबर अपराधियों तक पहुंचने के लिए इंटरपोल की सहायता ले। साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के इस अतिसंवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक को भी नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने पूछा कि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए एआई या मशीन लर्निंग तकनीक का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया? कोर्ट ने केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि देश में चल रही टेलिकॉम कंपनियां एक यूजर को कई सिम कार्ड उपलब्ध न कराएं। अदालत ने इस बात को रेखांकित किया । कि ऐसा करने पर सिम कार्ड्स का उपयोग साइबर अपराधों में हो सकता है।

शाहदरा में नहीं रुक रहा हत्याओं का सिलसिला 24 घंटे में दूसरी हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले में 24 घंटे में दो हत्याएं हुई हैं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई है. ताजा मामला मानसरोवर पार्क इलाके का है, जहां एक शादी समारोह में गोलीबारी हुई और 17 साल के युवक मौत हो गई. बताया जा रहा है कि युवक अपने दोस्तों के साथ शादी में पहुंचा था. बारात देखने गया था, तभी अचानक गोली चलने की आवाज़ आई और वह खून से लथपथ जमीन पर गिर पड़ा. पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है. अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अपराधी की तलाश की जा रही है. यह घटना शाहदरा जिले में 24 घंटे में दूसरी हत्या है. एक दिन पहले ही गगन नामक व्यक्ति की उसके दोस्तों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी.

प्रधानमंत्री सबसे बड़े ड्रामेबाज

पीएम के बयान पर कांग्रेस का पलटवार-मुद्दों पर चर्चा करें....

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए उन निशाना साधा है और प्रधानमंत्री को सबसे बड़े ड्रामेबाज तक कह दिया। कांग्रेस का यह बयान तब आया है, जब संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले मीडिया से बात करते हुए पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष संसद में ड्रामा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष से पराजय की बौखलाहट को भुलाकर संसद में सार्थक चर्चा करने की अपील की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स

पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया कि लोगों के असल मुद्दों को सुलझाने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फ्रि ड्रामेबाजी की है। खरगे ने कहा कि 'सरकार बीते 11 वर्षों से लगातार संसदीय मर्यादा और व्यवस्था को रौंद रही है और ऐसी घटनाओं की लंबी फेहरिस्त मौजूद है।' खरगे ने लिखा, 'भाजपा को अब लोगों का ध्यान भटकाने वाले इस ड्रामे को खत्म करके संसद में असल मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए और लोगों का सामना करना चाहिए।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'आम आदमी बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता और देश के संसाधनों की लूट से जूझ रहा है। जो लोग सत्ता में हैं,वे ड्रामेबाजी का खेल खेल रहे हैं। और सत्ता के अहंकार से भरे हैं।' खरगे ने कहा, 'एसआईआर प्रक्रिया में काम के बोझ के कारण बीएलओ लगातार जान दे रहे हैं। विपक्ष, वोट चोरी सहित अन्य मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहता है ।

भाजपा ने किया विरोध....

कार में पालतू कुत्ता लेकर संसद पहुंचीं रेणुका चौधरी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने अपने पालतू कुत्ते को गाड़ी में लेकर संसद भवन पहुंचने पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया। इस पर बीजेपी ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मीडिया द्वारा रेणुका चौधरी से इस मामले में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा, इसमें क्या तकलीफ है? गूंगा जानवर अंदर आ गया तो क्या तकलीफहै? इतना छोटा सा तो है। यह काटने वाला नहीं है, काटने वाले तो और हैं पार्लियामेंट के अंदर। बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी और

रेणुका चौधरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, यह सदन देश की नीतियों पर चर्चा करने की जगह हैᅳ वहां पर अपने डॉग को लेकर आए और उस पर जिस तरह का बयान दे रहे हैं, वह देश को शर्मसार कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

राजस्थान में एसआईआर ड्यूटी में लगे एक और बीएलओ की गई जान, परिजन बोले- काम का था दबाव

धौलपुर। जिले में देर रात एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई. परिजन तत्काल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने बचाने के काफी प्रयास किए, लेकिन मौत हो गई. इससे परिजनों में मातम पसर गया. परिजन मौत का कारण काम का दबाव बता रहे हैं. मृतक बीएलओ की पहचान अनुज गर्ग (42) पुत्र कालीचरन के रूप में हुई है. निहालगंज पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक नवीन कुमार ने बताया कि गोशाला क्षेत्र के बीएलओ अनुज गर्ग की मौत हुई है. परिजन काम का दबाव होने के चलते अटैक से मौत बता रहे हैं.

राहत कार्य तेज करने के निर्देश

इंडोनेशिया में बाढ़-भूस्खलन से मचा हाहाकार,अब तक 400 लोगों की मौत,कई गांव नक्शे से गायब

इंडोनेशिया। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र में भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। लगातार कई घंटों तक हुई बारिश के कारण नदियां उफान पर आ गईं और पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हो गया। आपदा ने तीन प्रांतों उत्तरी सुमात्रा, पश्चिमी सुमात्रा और आचेह को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख सुहार्यंतो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अब तक 400 से ज्यादे लोगों के मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 250 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं और कई कस्बों का संपर्क पूरी

तरह टूट चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी सुमात्रा सबसे गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है जहां 166 लोगों की मौत हुई है और 143 लोग लापता हैं। पश्चिमी सुमात्रा में 90 मौतें और 85 लापता लोगों की जानकारी सामने आई है। वहीं आचेह में 47 लोगों की मौत और 51 लोग लापता बताए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि भारी बारिश के बाद नदियां अचानक उफान पर आ गईं जिससे कई गांव पूरी तरह पानी में इस तरह से डूब गए कि मानो नक्शे से गायब दिख रहे हैं। मुख्य सड़कों और पुलों के टूटने से राहत और बचाव कार्य में बड़ी बाधाएं आ रही हैं। कई क्षेत्रों तक भारी मशीनरी पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। लोगों को बचाने के लिए सेना और बचावकर्मी हेलीकॉप्टर और नावों का उपयोग कर रहे हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया और अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। सरकार ने स्थिति की गंभीरता देखते हुए अंतरराष्ट्रीय मदद स्वीकार कर ली है। कई देशों ने त्वरित राहत सामग्री और रेस्क्यू टीम भेजने की पेशकश की है। बीएनपीबी प्रमुख ने बताया कि मौसम सुधरने के बाद राहत कार्यों की गति और बढ़ा दी गई है।

अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक की

कोलकाता में बीएलओ का भारी विरोध प्रदर्शन निर्वाचन आयोग के दफ्तर के बाहर खूब हंगामा

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में लगे बीएलओ के एक वर्ग ने गणना प्रक्रिया के दौरान कथित अत्यधिक कार्यभार को लेकर सोमवार को यहां सीईओ कार्यालय के बाहर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों को प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की तैनाती बल्ढ़ानी पड़ी. विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का प्रतिनिधिमंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वहां पहुंचा तो प्रदर्शनकारियों ने अपना विरोध तेज कर दिया, नारे लगाए और पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया. हालांकि, अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक जारी रखी. पुलिस ने शुभेंदु अधिकारी के दौरे से पहले कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त बल तैनात किया था . हालांकि, भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय परिसर में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भी ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाए. समिति के सदस्य बूथ स्तरीय

अधिकारियों (बीएलओ) के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से सीईओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने दोपहर को अपना आंदोलन तेज कर दिया. समिति के सदस्यों ने विपक्ष के नेता को निशाना बनाते हुए वापस जाओ के नारे लगाए, जिससे बाहर एकत्र हुए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनकी तीखी बहस शुरू हो गई. बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रही समिति का आंदोलन सोमवार को तेज हो गया. बीएलओ फोरम के सदस्य भारी कार्यभार का हवाला देते हुए एसआईआर की समय सीमा में दो महीने का विस्तार तथा मृतक बीएलओ के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं.अधिकारियों ने कहा कि अब तक धरने में वास्तविक बीएलओ की सीमित भागीदारी देखी गई थी।

एसआईआर पर जुबानी जंग

क्या बीएलओ की मौतें भी नाटक हैं...अखिलेश यादव

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की हंगामेदार शुरुआत हुई है। एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विपक्ष पर 'ड्रामा नहीं, डिलीवरी' के तंज पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि 'वोटर लिस्ट में सुधार' (एसआईआर) की प्रक्रिया को गंभीरता से किया जाना चाहिए, न कि इसे एक 'ड्रामा' समझा जाए।' अखिलेश ने यह भी सवाल उठाया कि क्या बीएलओ (बूथ लेवल ऑफ्सिर) की मौतें भी 'ड्रामा' हैं? समाजवादी पार्टी के सांसद

अखिलेश यादव ने कहा कि डेमोक्रेसी तभी मजबूत होगी जब हमसे वोट देने का हमारा अधिकार न छीना जाए। एसआईआर की चिंता आज सच होती जा रही है। अगर वोट कट जाएगा, तो कोई अपना सपना कैसे पूरा करेगा। मुझे जानकारी मिली है कि उन्होंने (भाजपा) नोएडा में बड़ी आईटी कंपनियों को हायर किया है।

कृषि महाविद्यालय में चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन

विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, एसकेएस राजनांदगांव ओवरऑल चैंपियन

बेमेतरा। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बेमेतरा में आयोजित चार दिवसीय पश्चिम क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का समापन समारोह बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। चार दिनों तक चले इस आयोजन ने विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को एक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. विनम्रता जैन, अधिष्ठाता–कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, राजनांदगांव थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. यू.के. ध्रुव ने की, जबकि आयोजन सचिव डॉ. असित कुमार उपस्थित रहे। चार दिनों तक विभिन्न खेलों का आयोजन कृषि महाविद्यालय परिसर में किया गया। प्रमुख खेलों में शामिल थे रिले रेस, खो-खो, कबडडी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, तवा फेंक, भाला फेंक, लंबी एवं ऊंची कूद, 100, 200, 400, 800 और 1500 मीटर दौड़ इन प्रतियोगिताओं में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध पश्चिम क्षेत्रीय आठ महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रोमांचक मुकाबले प्रस्तुत किए। विशिष्ट अतिथि डॉ. विनम्रता जैन ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति विकसित करते हैं। प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. योगेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन स्वयं एक खेल है, जिसमें जीत और हार दोनों का महत्व होता है। मुख्य अतिथि एसएसपी रामकृष्ण साहू ने कहा कि शिक्षा तभी पूर्ण होती है जब उसमें खेल, कला और संस्कृति का समावेश हो। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत, लगन और टीम भावना बनाए रखने की प्रेरणा दी। इस प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियनशिपः एसकेएस कृषि महाविद्यालय, राजनांदगांव रनर-अप चैंपियनशिपः संत कबीर कृषि महाविद्यालय, कवर्धा 7 विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किए। रेवेंद्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय, बेमेतरा के खिलाड़ियों ने भी कई प्रतियोगिताओं में चमक बिखेरी जिसमे 100 मीटर दौड़ अनिकेत (स्वर्ण), तवा फेंक दिव्यांशु (स्वर्ण), टेबल टेनिस विमला, सीमा (स्वर्ण), खो-खो महिला वर्ग टीम बेमेतरा (स्वर्ण), गोला फेंक आरती (स्वर्ण), तवा फेंक आरती (रजत), टेबल टेनिस पुरुष वर्ग राहुल, सुमित सिकदार (रजत), 1500 मीटर दौड़ दिव्यांशु (रजत), ऊंची कूद आकाश (रजत), 4100 मीटर रिले रेस पुरुष वर्ग - बेमेतरा टीम (स्वर्ण) पुरुष वर्ग बेस्ट एथलीटः प्रहलाद (संत कबीर कृषि महाविद्यालय, कवर्धा) रनर-अप बेस्ट एथलीटः दिव्यांशु (रेवेंद्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय, बेमेतरा) महिला वर्ग बेस्ट एथलीटः पुनिका चंद्रवंशी (कृषि महाविद्यालय, राजनांदगांव)। मुख्य अतिथि एसएसपी रामकृष्ण साहू ने विजेताओं को पदक और ट्रॉफियां प्रदान कीं। पुरस्कार लेते हुए खिलाड़ियों में उत्साह चरम पर था और समूचा खेल मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर डॉ. टी.डी. साहू, डॉ. हेमलता निराला, डॉ. कुंती बंजारे, डॉ. भारती बघेल, डॉ. राजेश्वरी कुर्रे, डॉ. प्रीति पैकरा, डॉ. साक्षी बजाज, डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. महानंद साहू, संजीव, डॉ. रामेश्वर पाटिल सहित समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे और सभी ने प्रतियोगिता का भरपूर आनंद लिया।

तुषार भट्ट का चयन 69 वें राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में फुटबाल के लिए हुआ

दल्लीराजहरा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिखली के कक्षा नौवमी के छात्र तुषार भट्ट का चयन 69 वें राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 में फुटबाल के लिए हुआ। यह प्रतियोगिता 01 दिसम्बर से 05 दिसम्बर तक उमरिया मध्यप्रदेश में आयोजित होगी। रानी दुर्गावती फुटबॉल क्लब चिखली के सचिव व कोच चन्द्रशेखर पवार ने बताया तुषार भट्ट हमारे क्लब का नियमित खिलाड़ी हैं और 3 वर्षो से फुटबाल सीख रहा है। तुषार का चयन बालोद में हुए राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के आधार पर किया गया। तुषार शालेय फुटबाल छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। तुषार खेल के साथ साथ पढ़ाई में भी होशियार है खेल के साथ पढ़ाई पर भी विशेष ध्यान देता है। इनके पिता पेशे से वकील है, तुषार सुबह-शाम 2 घण्टे चिखली मैदान में अभ्यास कर अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रहा हैं। शालेय राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन होने पर जिला शिक्षा अधिकारी बालोद मधुलिका तिवारी, सहा जिला खेल अधिकारी शिक्षा विभाग किशोर मेहरा, सपन जेना खेल समन्वयक बालोद, प्राचार्य चिखली विनीता, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी डौण्डी प्रवीण कुमार चतुर्वेदी, मंजुला यदु बीएसओ डौण्डी, संजय ठाकुर, सरपंच चिखली रम्हऊ राम, रामाधार साहू, तेजेश्वर भट्ट, चम्पा लाल, दिनेश किशान, जगप्रीत संधू, समस्त स्टाफ चिखली एवं ग्रामीणो ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

शिविर में 110 वाहन चालकों का किया गया नेत्र परीक्षण

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिला बेमेतरा में 24 से 29 नवंबर तक राष्ट्रीय राज मार्ग वाहन चालक नेत्र परीक्षण सप्ताह मनाया जाने का दिशानिर्देश राज्य कार्यालय से प्राप्त हुआ है। उक्तानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर एवं जिला सहायक नोडल अधिकारी (अंधत्व) डॉ. बी.एल. राज के मार्गदर्शन में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जेवरा एवं चोरभट्टी बाईपास बेमेतरा में भारी वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी डॉ बी एल राज द्वारा जानकारी दी गई कि नेत्र परीक्षण में कलर ब्लाइंडनेस, निकट दृष्टिदोष, दूर दृष्टिदोष, प्रेस बायोपिक आदि का परीक्षण कर चश्मा नबंर के साथ आई ड्रॉप्स दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों को रोकने के लिए ट्रक चालको का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया जाना है और उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाले ड्रायवर समय अभाव के चलते अपना नेत्र परीक्षण नहीं करा पाते है, जिसके कारण कई बार दुर्घटना का शिकार हो जाते है। उक्त नेत्र परीक्षण शिविर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के सुपरविजन में तथा यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो और उनके टीम के सहयोग से इस नेत्र परीक्षण शिविर आयोजन को सफल बनाया गया। इस शिविर में कुल 110 वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिन वाहन चालकों में दृष्टिदोष पाया गया, उन्हें उचित इलाज कराने और चश्में को उपयोग करने की सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अंशु अग्रवाल, सहायक नोडल अधिकारी विद्यासागर द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया। इस नेत्र परीक्षण शिविर कार्यक्रम में बीएमओ खण्डसरा डॉ शरद कोहद्यड़े, प्रधान आरक्षक संदीप सिंह, आरक्षक हुलेश साहू, नेत्र सहायक अधिकारी ओंकार चन्द्राकर, योगेन्द्र भार्गव, योगेश साहू, मुकेश टंडन का विशेष सहयोग रहा।

बैगा आवास योजना में खुली लापरवाहीः करोड़ों की राशि जारी, पर निर्माण अधूरा, हितग्राही भटके, जिम्मेदार गायब

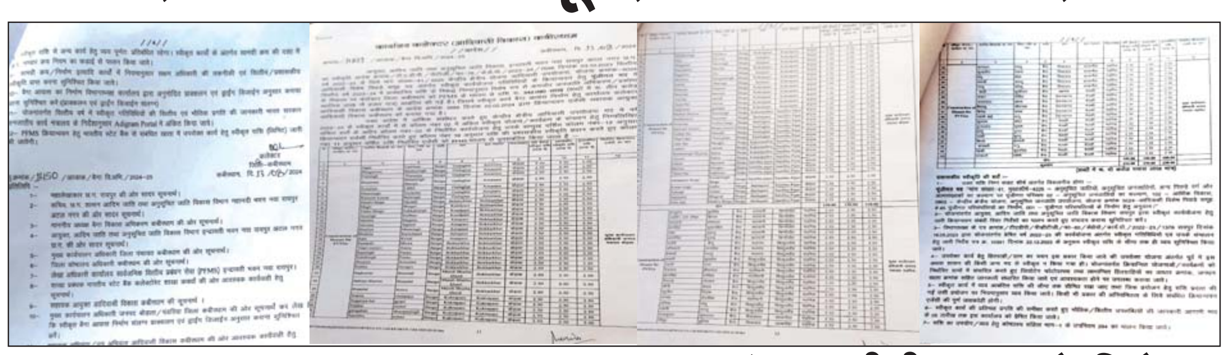

कवर्धा। विशेष रूप से कमजोर जनजाति बैगा समुदाय के आवास निर्माण कार्यों में भारी लापरवाही और कार्ययोजना की धज्जियाँ उड़ाने का मामला सामने आया है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 342.090 लाख की बड़ी राशि पीएफएमएस के माध्यम से कलेक्टर कबीरधाम को आवंटित की गई थी। उददेश्य था–बैगा समुदाय के हितग्राहियों के लिए स्वीकृत आवासों का निर्माण। लेकिन जमीनी हकीकत बताती है कि यह योजना फाइलों में आगे बढ़ती रही और गांवों में अधूरी पड़ी रही। योजना की वास्तविक स्थिति–नींव से आगे नहीं बढ़ा आवास, कई हितग्राही महीनों से आवास निर्माण की राह देख रहे हैं। बोक्करखार निवासी सक्कु ने बताया– मेरे घर की तो सिर्फ नींव खुदाई हुई है। बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं। किसी का काम नींव तक रुका है, किसी का केवल कलम भराई पर–कुल मिलाकर निर्माण कार्य लगभग ठप है।

तकनीकी सहायक के रिश्तेदार को ठेका, लाभार्थियों में आक्रोश

जानकारी यह भी सामने आई है कि कार्य को तकनीकी सहायक पवन चंद्रवंशी के एक रिश्तेदार को ठेके पर दिया गया था। पहली किस्त का उपयोग कर निर्माण शुरू तो किया गया, लेकिन महीनों से काम अधूरा पड़ा है। इससे विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय में गहरा आक्रोश है। लोग मांग कर रहे हैं कि–निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण कराया जाए और जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो।

जनपद पंचायत बोड़ला में राशि हस्तांतरित–फिर भी काम अधूरा

आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि जनपद पंचायत बोड़ला के खाते में स्थानांतरित की गई थी। इसके बावजूद बैगा हितग्राहियों की उम्मीदें आज भी मलबे और अधूरे ढांचे के बीच पड़ी हुई हैं।

सवाल बड़ा और गंभीर है

जब राशि जारी हो चुकी, आदेश स्पष्ट हैं और एजेंसी निर्धारित है, फिर बैगा हितग्राहियों के घर क्यों नहीं बने? यह मामला न केवल सरकारी तंत्र की सुस्ती बल्कि योजना क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा करता है। बैगा समुदाय मांग कर रहा है कि योजना की समीक्षा, जिम्मेदारों की जवाबदेही और अधूरे आवासों का शीघ्र निर्माण सुनिश्चित किया जाए।

शिक्षा व व्यवसाय में समाज की उन्नति निहित : प्रदेशाध्यक्ष

तहसील साहू संघ व नगर साहू संघ का शपथ ग्रहण

डोंगरगांव नगर। प्रदेश साहू संघ छत्तीसगढ़ के गाईडलाईन मुताबिक तहसील साहू संघ डोंगरगांव एवं नगर साहू संघ डोंगरगांव के निर्वाचन उपरांत शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। समारोह में छग प्रदेश साहू संघ प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू मुख्य अतिथि बतौर शिरकत की। उन्होंने साहू समाज मे शिक्षा व व्यवसाय को जोर देते हुए समाज के मुख्यधारा में चलने आव्हान किया। मटियावार्ड स्थित कर्मा भवन में आयोजित तहसील साहू संघ डोंगरगांव एवं नगर साहू संघ डोंगरगांव के संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यअतिथि प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू थे। उन्होंने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारियों को सामाजिक नियमावली का पालन करते हुए एकता और अखंडता के साथ विकसित समाज की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भागवत साहू ने की। अतिविशिष्ट अतिथि खुज्जी विधायक भोलाराम साहू, पुर्व विधायक छन्नी साहू थे। विशेष अतिथि नीलमणी साहू, कमलकिशोर साहू, नोबल साहू, मदन साहू, अमरनाथ साहू, चंद्रशेखर साहू, हेमंत साहू व माधव साहू थे। इस मौके पर जनपद सदस्य रवि साहू व ग्राम समाज मटिया अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू भी मंचस्थ थे। मां कर्मा के सामूहिक पूजन अर्चन व अतिथि स्वागत पश्चात जिलाध्यक्ष भागवत साहू द्वारा नव निर्वाचित तहसील साहू संघ अध्यक्ष शिवराम साहू, उपाध्यक्ष गणेश साहू व डेहरीन साहू, संगठन सचिव कमल साहू व पूनम साहू, सचिव कृष्ण कुमार साहू, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र साहू सहित विभिन्न प्रकोष्ठ के संयोजकों को शपथ दिलाई। इसी क्रम में तहसील अध्यक्ष शिवराम साहू द्वारा नगर साहू संघ निर्वाचित अध्यक्ष कौशल साहू, उपाध्यक्ष नामदेव साहू व हंसू साहू, संगठन सचिव घनश्याम साहू व लोकेश्वरी साहू, सचिव उमेश साहू, कोषाध्यक्ष ताम्रध्वज साहू सहित प्रकोष्ठों के संयोजकों को भी शपथ ग्रहण कराया। उक्त अवसर पर तहसील साहू संघ, नगर व परिक्षेत्र साहू संघ सहित समस्त ग्राम इकाई के पदाधिकारीगण एवं विभिन्न प्रकोष्ठ के पदाधिकारी सहित सामाजिक अनुयायी बड़ी सँख्या में उपस्थित थे।शपथ ग्रहण कार्यक्रम का संचालन लविंद्र साव व गुमान साहू ने किया। आभार प्रदर्शन तहसील साहू संघ के सचिव कृष्ण कुमार साहू ने किया।

पराली न जलाने किसानों से की गई अपील, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्यवाही

बेमेतरा। कृषि विभाग द्वारा किसानों को लगातार पराली प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में कृषि विकास अधिकारी, बेरला कार्यालय द्वारा ग्राम कठिया के किसान शिवनंदन टण्डन को पराली जलाने के संबंध में चेतावनी जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार किसान द्वारा अपने खेत (ग्राम कठिया) में पराली जलाए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। पराली जलाना पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, राष्ट्रीय हरित अधिकरण तथा राज्य शासन के दिशानिर्देशों के तहत दण्डनीय अपराध है। इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरता पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। जिला प्रशासन बेमेतरा और कृषि विभाग द्वारा लगातार किसानों से अपील की जाती रही है कि पराली न जलाएँ, बल्कि उसका वैज्ञानिक प्रबंधन करें या गौशालाओं में पैरा दान दें। अधिकारी द्वारा किसान को निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में किसी भी परिस्थिति में पराली या फसल अवशेष न जलाएँ तथा कृषि विभाग द्वारा सुझाए गए विकल्प जैसे मल्चर, हैपी सीडर, रोटावेटर, कम्पोस्टिंग, पिट विधि और चराई का उपयोग किया जाए। सूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि भविष्य में दोबारा पराली जलाने की घटना पाई जाती है, तो किसान के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माना और कानूनी कार्यवाही की जाएगी। कृषि विभाग ने सभी किसानों से निर्धारित नियमों का पालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पचेड़ा उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

दल्लीराजहरा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने 28 नवम्बर को डौण्डी विकासखण्ड के उप स्वास्थ्य केंद्र पचेड़ा का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उप स्वास्थ्य केन्द्र में औषधि वितरण केन्द्र, चिकित्सक कक्ष, लेबर रूम आदि का निरीक्षण किया। इस मौके पर श्री चंद्रवंशी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र में रखे गए स्वास्थ्य संबंधी उपकरणों, दवाइयां आदि का भी अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को चिकित्सालय में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

चोरी के सोने-चांदी के जेवरात चांदी की मुर्तिया सहित सिक्का जब्त

बेमेतरा। जिले में पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में सोना चांदी के जेवरातों की चोरी एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराध में संलिप्त लोगों एवं अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना थान खम्हरिया पुलिस टीम ने थाना खम्हरिया में पंजीबद्ध 01 चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 12.10.2025 को प्रार्थीया सीताबाई रामटेके पति स्व. प्रेमलाल रामटेके उम्र 60 साल निवासी वार्ड नंबर 05 थानखम्हरिया जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि घर के चैनल गेट में लगे व कमरे के दरवाजा मे लगा ताला तोडकर, अंदर प्रवेश कर आलमारी व लॉकर को तोडकर आलमारी के लॉकर में रखे पुरानी इस्तेमाली 02 तोला सोने का कंगन, चांदी का अईठी 5 चांदी के सिक्के, सोने की फुल्ली, नगदी रकम एक लाख रूपये को 12.10.25 के दोपहर करीबन 1:15 बजे से शाम 05:30 बजे के मध्य कोई अज्ञात चोर ताला तोडकर घर आलमारी में रखे सामान को चोरी कर ले गया है कि प्रार्थीया कि रिपोर्ट पर कि रिपोर्ट पर थाना खम्हरिया में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा-305 (ए).331 (3)317 (2),3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को मद्देनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह एवं प्रभारी एसडीओपी बेमेतरा कौशिल्या साहू, एसडीओपी बेरला विनय कुमार,डीएसपी राजेश कुमार झा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थान खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा व थाना स्टाफ को अज्ञात आरोपी की पता तलास हेतु त्वरित टीम गठित कर माल, मुल्जिम पता साजी में लगाया गया। अधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रकरण के अज्ञात आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था कि प्रकरण में विगत दिनों पूर्व में एक विधि के साथ संघर्षरत बालक से पुछताछ करने पर उक्त चोरी की घटना को अकेले सोने, चांदी की चोरी करना स्वीकार करने पर उसके कब्जे से सोने चांदी के जेवरात चांदी की मुर्तिया, सिक्का कुल जुमला किमती 32,500 /- रूपये एवं घटना में प्रयुक्त एक लोहे की राड को जप्त कर बरामद किया गया। प्रकरण में 17.10.2025 को एक विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण में पंकज बैरागी ने विधि से संघर्षरत बालक से सोने के 02 कंगन चोरी का जानते हुये भी बेचकर पैसा दूंगा करके रायपुर में 70,000/- रूपये में 02 सोने के कंगन को बेचना, जिसमें से आरोपी पंकज बैरागी ने 30,000/- रूपये खाने पीने में खर्च होना एवं 40,000 /- रूपये को अपने पास रखना, बताकर पेश करने पर जप्त कर बरामद किया गया। आरोपी पंकज बैरागी पिता श्यामदास बैरागी उम्र 24 साल साकिन सुर्यनगर गोगांव डबरापारा रायपुर थाना गुढियारी जिला रायपुर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी थान खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, प्रधान आरक्षक अजय लहरे, आरक्षक सौरभ सिंह, अशरफी खान, दिनेश निषाद एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

धारदार चाकू के साथ पकड़ाया युवक

रायपुर। राजधानी रायपुर के कबीर नगर क्षेत्र में पुलिस ने एक युवक को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार 28.11.2025 को थाना कबीर नगर पुलिस द्वारा टाउन पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग किया जा रहा था इसी दरम्यान बाल्मीकि नगर श्मशान घाट के पास एक व्यक्ति संदिग्ध दिखा जो पुलिस को देखकर छिप रहा था। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया युवक को पकड़कर उसकी जांच करने पर उसके पास से एक लोहे का धारदार चाकू मिला। युवक ने नाम पता पूछने पर अपना नाम विनोद राणा उर्फबठुवा पिता सोम बहादुर राणा उम्र 21 वर्ष निवासी गार्डन के पास लंबा ब्लॉक बाल्मीकि नगर थाना कबीर नगर रायपुर का रहने वाला बताया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लोहे का धारदार चाकू जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मालमे में आरोपी के विरूद्ध थाना कबीर नगर में अपराध क्रमांक 248/2025 धारा 25 आर्म्स एक्ट अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

युवती से मोबाईल लूटने वाले गिरफ्तार

रायपुर। राहगीरों से मोबाइल लूटने वाले आरोपी शहजाद अली और सोनू निषाद गिरफ्तार किए गए है। मिली जानकारी के अनुसार एक प्रार्थीया 07.11.2025 को अपने निवास स्थान यदुवंशी चौक हीरापुर से डॉक्टर नरेन्द्र भुवाल के क्लीनिक ड्यूटी हेतु पैदल जा रही थी इस दौरान यदुवंशी चौक के पास मोटर साईकल सवार युवकों ने झप्पटा मारकर मोबाईल लूट लिया और भाग गये। लूटेरे उक्त मोबाईल को लेकर गणपत चौक की ओर भाग गये। मामले में प्रार्थीया की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा थाना प्रभारी कबीर नगर के नेतृत्व में थाना कबीर नगर पुलिस की टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए घटना के संबंध में प्रार्थी तथा उसके आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात अरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटनास्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी अज्ञात आरोपियों को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी की पहचान शहजाद अली निवासी रावांभाटा खेल मैदान के पास थाना खमतराई एवं सोनू निषाद निवासी हरदेलाल चौक रावांभाठा थाना खमतराई रायपुर के रूप में करते हुये आरोपी की पतासाजी कर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गई मोबाईल ओप्पों के अलावा शहर के अलग-अलग अन्य जगहों से चोरी किये गये मोबाईल कुल 13 नग एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल पैशन प्रो क्रमांक सीजी-04, एमएन-3262 को जप्त कर आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। मामले में पुलिस ने शहजाद अली पिता मुस्ताक अली उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम कमरिया थाना मौदहा जिला हमीरपुर उत्तर प्रदेश हाल पता रामा भाटा खेल मैदान के पास थाना खमतराई जिला रायपुर तथा सोनू निषाद पिता नंदू निषाद उम्र 25 वर्ष निवासी हरदेलाल चौक रावाभांटा थाना खमतराई जिला रायपुर को गिरफ्तार किया गया है।

अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरोह का फरार

रायपुर। नशे के विरूद्ध दुर्ग पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में फरार एक अंतर्राज्यीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। बता दें कि दिनांक 07.09.2025 को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई थी कि कंटेनर वाहन क्रमांक एनएल01-एएच-9524 में अवैध रूप से गांजा भरकर नेशनल हाईवे से रायपुर से दुर्ग की ओर आ रही थी सूचना पर टीम द्वार टोल प्लाजा कुम्हारी में नाकेबंदी की गई मुखबीर के बताये अनुसार रायपुर से दुर्ग की ओर कंटेनर गाडी को रोककर पूछताछ पर वाहन चालक ने अपना नाम उमेश यादव उम्र 46 साल, निवासी जय नगर जिला मधुबनी, बिहार का बताया आगे पूछताछ में कंटेनर में आमतल्ला कोलकाता पश्चिम बंगाल से सामान लेकर गुजरात के लिए निकला था रास्ते में ग्राम बारकोड़, देवघर, उड़िसा में परिचित का राहूल मिला जिसने 13 बोरी गांजा को नागपुर में शाहिद के पास छोड़ने को बोला प्रत्येक बोरी का 5000 रूपया देने की बात हुई तब उक्त गांजा को कंटेनर लॉक होने से कंटेनर का नट निकाल कर गेट खोलकर गांजा भरकर नागपुर लेकर जाना स्वीकार किया था, इसके पूर्व भी एक खेप गांजा शाहीद के पास नागपुर छोडना बताया था। प्रकरण में पूर्व में तीन आरोपी उमेश यादव, मुस्ताक अहमद, फैयाज अंसारी से माल बरामद कर जप्त किया गया था एवं तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था इसमें मुख्य आरोपी शाहिद अहमद का फरार होना बताया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए फरार आरोपी शाहिद अहमद का पता तलाश किया जा रहा था। आरोपी का यशोधारा नगर संगम चौक नागपुर रहने पता चलने पर गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

किसानों की मेहनत को मिल रहा उचित मूल्य

ऑनलाइन टोकन खरीदी प्रक्रिया तेज़, सरल और भीड़मुक्त बनी......

- किसानों की मेहनत को मिल रहा उचित मूल्य

रायपुर/ संवाददाता

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार के मंशानुरूप जिले में धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। जिले के 182 धान उपार्जन केन्द्रों में आज दिनांक तक 80 हजार 600 टन धान की खरीदी की जा चुकी है। बता दें कि जिले में धान खरीदी का अभी 40 दिन शेष है। जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी शुरू हो गई है। महासमुंद जिले के ग्राम बेलसोंडा धान उपार्जन केंद्र में विपणन वर्ष 2025-26 के तहत धान खरीदी सुचारू और पारदर्शी तरीके से जारी है। अब तक इस केंद्र में 9,330.80 क्विंटल से अधिक धान की खरीदी हो चुकी है, जिसमें 2,346.80 क्विंटल मोटा धान तथा 6,984 क्विंटल सरना (पतला) धान शामिल है। किसानों की बढ़ती भागीदारी और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ खरीदी केंद्र की सफलता को दर्शाती हैं। बेलसोंडा के केंद्र प्रभारी ने बताया कि अधिकांश किसान पहले से ही ऑनलाइन टोकन कटवाकर निर्धारित समय पर धान लेकर केंद्र पहुंच रहे हैं। इससे खरीदी प्रक्रिया तेज़, सरल और भीड़मुक्त बनी हुई है। यहां धान बेचने आए नांदगांव के किसान भूपेंद्र कुमार पटेल ने अपने 7 एकड़ खेत से उपजाया 80 क्विंटल धान बेचकर खरीदी प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन टोकन प्रणाली से उन्हें केंद्र पर इंतजार नहीं करना पड़ा और पूरी प्रक्रिया सहज रही। इसी तरह नांदगांव की सतीश सोनी ने अपने 5 एकड़ खेत से उपजाए गए धान में से 28 क्विंटल धान बेलसोंडा केंद्र में बेचा। वे भी निर्धारित समय पर पहुंचीं और बिना किसी परेशानी के खरीदी प्रक्रिया संपन्न की। घोड़ारी गांव के लघु कृषक पवन कुमार चक्रधारी ने 2 एकड कृषि भूमि पर अपनी मेहनत से उपजाएं 44.40 क्विंटल धान केंद्र में आसानी से विक्रय किया। छोटे किसान होने के बावजूद उन्होंने समय पर टोकन कटवा कर खरीदी का लाभ उठाया और सरकार की किसान हितैषी नीतियों की सराहना की। केंद्र प्रभारी ने बताया कि केंद्र में खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता और कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के साथ किया जा रहा है। टोकन की सुविधा नजदीकी सीएससी, मोबाइल ऐप व सहकारी समिति कार्यालय में उपलब्ध है। यहां बारदाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। तौल, नमी की जांच और भुगतान प्रणाली पूरी तरह डिजिटाइज्ड है। किसानों को 72 घंटे के भीतर भुगतान सीधे बैंक खाते में जमा किया जा रहा है। बेलसोंडा केंद्र में सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के चलते किसानों का विश्वास और सहभागिता लगातार बढ़ रही है। आने वाले दिनों में और अधिक मात्रा में किसानों के धान की खरीदी होने की उम्मीद है।

बाजार से चोरी की मोटर सायकल के साथ पकड़ाया चोर

रायपुर/ संवाददाता

जिले की पत्थलगांव थाना पुलिस ने लुड़ेग सप्ताहिक बाजार से मोटरसायकल चोरी करने वाले चोर को गिरफ्तार किया है तथा चोरी की मोटरसायकल जब्त किया है। आरोपी चोरी की मोटरसायकल को बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था और पकड़ा गया। मिली जानकारी के अनुसार 16.11.2025 को प्रार्थी सिलबियुस केरकेट्टा उम्र 42 वर्ष निवासी सरईटोला चट्टीढाब थाना बागबहार जिला जशपुर ने थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया था,कि दिनांक 11.11.2025 को दोपहर करीबन 01.00 बजे वह अपने होण्डा साईन मोटर सायकल क्रमांक सीजी 13 बीडी 0787 से साप्ताहिक बाजार करने लुडेग गया था, जहाँ साप्ताहिक बाजार में अपनी मोटर सायकल को रोड़ के किनारे खड़ा कर , सामान खरीदने बाजार गया था ,करीबन आधा घंटे के बाद , वह अपनी मोटर सायकल के पास आया तो, पाया कि किसी व्यक्ति के द्वारा उसकी मोटर सायकल चोरी कर ले जाया गया था । आस पास ढूंढा कहीं पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस के द्वारा थाना पत्थलगांव में चोरी के लिए बी एन एस की धारा 303(2) के तहत अपराध कायम कर जांच विवेचना में लिया गया था व मोटर साइकल की पता साजी की जा रही थी। पतासाजी के दौरान पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम दिवानपुर नट पारा का मंटू नट के पास एक होण्डा साईन मोटर सायकल है। जिसे कि वह बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर थाना पत्थलगांव की पुलिस घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी मंटु कुमार नट के द्वारा मोटर सायकल को साप्ताहिक बाजार लुडेग से चोरी करना स्वीकार करने पर, उसके कब्जे से चोरी की मोटर सायकल जप्त किया गया तथा आरोपी आरोपी मंटु कुमार नट के कब्जे से मोटर सायकल चालु एवं बंद करने में प्रयुक्त एक लोहे का चाकु नुमा टुल्स को जिसे वह मोटर सायकल को चोरी करने में उपयोग करता था, की भी जप्त किया गया।

रकम तीगुना करने का लालच देकर करोड़ो रूपए की ठगी....

रायपुर/ संवाददाता

जशपुर पुलिस ने ऑपरेशन अंकुश के तहत फर्जी कंपनी में निवेश कर रकम तीगुना करने का लालच देकर करोड़ों की ठगी करने वाले सी बुल्स ग्लोबल कंपनी के डायरेक्टर एवं उसके दो साथियों को झारखंड से गिरफ्तार किया है। मामला पत्थलगांव थानाक्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 17.10.25 को थाना पत्थलगांव क्षेत्रांतर्गत मदनपुर, इंजिको निवासी, प्रार्थी जागेश्वर लाल यादव, उम्र 43 वर्ष ने, थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया था, कि वह खेती-बाड़ी ठेकेदारी का काम करता है, वर्ष 2023 में उसे तथा उसके साथी क्रमशः डॉ पीताम्बर साय निराला, सुकुंद चौहान, राजेंद्र भगत को पत्थलगांव के एक हॉटल मान्या से उसके एक परिचित ने फोन कर बताया था कि, एक कंपनी से कृषि प्रोडक्ट की जानकारी देने के लिए एक व्यक्ति संतोष कुमार साव, हॉटल मान्या में आया हुआ है, जिसके द्वारा कृषि प्रोडक्ट की जानकारी दिया जाना है, अत: आप लोग हॉटल मान्या आ जाए, जिस पर प्रार्थी, अपने उक्त साथियों के साथ हॉटल मान्या पहुंच गया व कृषि प्रोडक्ट की जानकारी देने आए, व्यक्ति संतोष कुमार साव से उनकी मुलाकात हुई, इस दौरान संतोष कुमार साव ने प्रार्थी जागेश्वर लाल यादव व उसके साथ आए साथियों को अपने झांसे में लेते हुए बताया कि वह घरघोड़ा, पत्थलगांव में प्रोडक्ट बेस कंपनी(सी बुल्स ग्लोबल सॉल्यूशन)में कार्य करता है, कंपनी एक कृषि संबंधी प्रोडक्ट्स का नया प्लांट लगाने वाली है, जिसमें निवेश करने पर अच्छा खासा लाभ मिलेगा, व प्रति महीना जमा रकम पर ब्याज मिलता रहेगा, जिस पर प्रार्थी व उसके साथियों तथा पत्थलगांव क्षेत्रांतर्गत अन्य ग्रामीणों के द्वारा भी।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा हॉस्पिटल पहुंचकर महिला कांन्सटेबल के स्वास्थ्य की जानकारी ली

किसानो की आय का सबसे बड़ा जरिया धान की खेती

धान खरीदी पर सरकार की नीयत में खोट दिख रहा है

- गिरदावरी का बहाना बताकर सरकार 21 क्विंटल खरीदी नहीं कर रही

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में धान खरीदी चल रही है, छत्तीसगढ़ में किसानो की आय का सबसे बड़ा जरिया धान की खेती है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि धान खरीदी को लेकर सरकार की नीयत में खोट दिख रहा है। न समय पर किसानों को टोकन मिल रहा है और न ही पूरे रकबे के हिसाब से तौलाई हो रही है, गिरदावरी और अनावरी रिपोर्ट का हवाला देकर कम धान खरीदा जा रहा है। सरकार घोषित नीति प्रति एकड़ 21 क्विंटल के हिसाब से खरीदी नहीं कर रही किसी भी सोसायटी में 16 से लेकर 19 क्विंटल से अधिक की खरीदी नहीं हो रही। धान बेचने के लिए किसानों को टोकन नहीं मिल पा रहा। बहुत से किसानों का आज भी धान बेचने के लिए एग्री स्टेक पोर्टल में पंजीयन नहीं हो पाया है वे भटक रहे। डबल इंजन की सरकार किसानों का पूरा धान 3100 रु. के भाव से नहीं खरीदना चाहती इसलिए जानबूझकर परेशानी पैदा की जा रही। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि किसानों कापूरा धान तैयार है।

जंगल-पहाड़ों के रास्तों से मतदाताओं तक पहुंच रही टीम, नारायणपुर में विशेष गहन पुनरीक्षण ने पकड़ी रफ्तार

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पूरे प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को नारायणपुर जिले में गति मिल रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में प्रशासनिक टीमें और बीएलओ जंगलों-पहाड़ों के बीच बसे दुर्गम इलाकों तक पहुंचकर मतदाता सूची अद्यतन कार्य को निरंतर अंजाम दे रहे हैं। लक्ष्य है—कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। जिले में वर्तमान में कुल 92,637 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से 77.25 प्रतिशत गणना पत्रक का डिजिटाइजेशन अब तक पूरा किया जा चुका है। प्रशासनिक टीमें त्रुटिरहित अद्यतन सुनिश्चित करने के लिए नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, गलतियों को सुधारने और मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के कार्य में पूरी गम्भीरता से जुटी हुई हैं। बीएलओ समरूलाल यादव की प्रेरक कहानी दुर्गम ग्राम गट्टाकाल से एक प्रेरक उदाहरण सामने आया है। मतदान केंद्र क्रमांक 09 के बीएलओ समरूलाल यादव को पुनरीक्षण कार्य के लिए पहाड़ी पगडंडियों पर मीलों पैदल चलना पड़ा।

सिलसिले वार हुई चोरी का खुलासा, चार गिरफ्तार हुए..

रायपुर/ संवाददाता

जिले के अकलतरा क्षेत्र में हुई कस्तूरी ट्रेडर्स में हुई बड़ी चोरी का खुलासा हो गया है। मामले में अकलतरा थाना पुलिस और सायबर सेल की संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा आरोपियों के कब्जे से लगभग 3 लाख रुपये नगद, सोने-चांदी के जेवरात, 28 चांदी के सिक्के, दो मोटरसाइकिल और एक ऑटो बरामद किया गया है। मामले के दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। बता दें कि 23 नवंबर को प्रार्थी अर्चित अग्रवाल ने अकलतरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 21 नवंबर को परिवार सहित खरसिया एक पारिवारिक शादी में गए थे और जब वापस आया तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था तथा घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था, तथा घर से नकदी, जेवरात और चांदी के सिक्के चोरी हो चुके थे साथ ही सीसीटीवी डीवीआर की हार्डडिस्क की चोरी हो गई थी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता देखते हुए एसपी के निर्देश पर विशेष टीम बनाई गई। फॉरेंसिक, फिंगर प्रिंट और डॉग स्क्वॉड की मदद से जांच आगे बढ़ाई गई। इस दौरान शहर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। सीसीटीवी फुटेज और लगातार निगरानी के बाद संजय नगर निवासी अफरोज खान और किशन कश्यप पर शक गहरा हुआ। जिसके बाद दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

छत्तीसगढ़ की डिजिटल व्यवस्था ने बनाया मुश्किल काम आसान

जिसने दूर रह रही बेटी को दिया सबसे बड़ा सहारा

- मीलों की दूरी मिटा दी तकनीक ने—डिजिटल छत्तीसगढ़ की मानवीय मिसाल
- भुवनेश्वर में रहते हुए भी श्रीमती सोनम त्रिपाठी ने बिलासपुर से अपने दिवंगत पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र किया प्राप्त

रायपुर/ संवाददाता

डिजिटल भारत अभियान और छत्तीसगढ़ शासन की ई-सेवाओं ने आम नागरिकों के जीवन को न सिर्फ आसान बनाया है, बल्कि समय, मेहनत और संसाधनों की बड़ी बचत भी सुनिश्चित की है। भुवनेश्वर में रहने वाली श्रीमती सोनम त्रिपाठी का अनुभव इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने डिजिटल सेवाओं के सहारे अपने दिवंगत पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किया और अपनी बीमार माताजी के बैंक खाते को बिना किसी परेशानी के भुवनेश्वर में स्थानांतरित करवा लिया। विवाह के बाद भुवनेश्वर में बस चुकी श्रीमती सोनम त्रिपाठी के माता-पिता बिलासपुर में ही रहते थे। पिता का निधन होने के बाद नगरपालिका बिलासपुर ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया। लेकिन जब उनकी माताजी की तबीयत बिगड़ी और उन्हें अपने साथ भुवनेश्वर ले जाना पड़ा, तब एक नई चुनौती सामने आई कि माताजी के बैंक खाते का ट्रांसफर। बैंक ने पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का आग्रह किया, जिसकी जानकारी श्रीमती त्रिपाठी को पहले नहीं थी, और इसी कारण काम कुछ समय के लिए अटक गया। इस दस्तावेज़ की आवश्यकता ने परिवार को असमंजस में डाल दिया। श्रीमती त्रिपाठी ने समाधान की तलाश शुरू की और इंटरनेट की मदद से छत्तीसगढ़ के जन्म-मृत्यु पंजीकरण कार्यालय का संपर्क नंबर प्राप्त किया। भुवनेश्वर से ही उन्होंने संबंधित कर्मचारी से संपर्क किया। कार्यालय कर्मचारी ने आवश्यक दस्तावेज़ों, ऑनलाइन प्रक्रिया और प्रमाण पत्र प्राप्ति के चरणों की स्पष्ट एवं सहज जानकारी प्रदान की। डिजिटल व्यवस्था की बदौलत कुछ ही दिनों में उन्हें अपने पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र ऑनलाइन उपलब्ध हो गया, और बैंक की समस्त औपचारिकताएँ तुरंत पूर्ण हो गईं।श्रीमती सोनम त्रिपाठी बताती हैं कि यदि उन्हें डिजिटल प्रक्रिया की जानकारी पहले मिल जाती, तो

उनका काम और पहले ही पूरा हो जाता। उनका कहना है कि बैंकिंग, सरकारी सहायता, संपत्ति, पेंशन और अन्य कार्यों में बाधा से बचने के लिए ऐसे दस्तावेज़ समय रहते बनवा लेना चाहिए। मैंने भी भुवनेश्वर से ही ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की और प्रमाण पत्र कुछ ही दिनों में प्राप्त हो गया। उनका अनुभव बताता है कि सूचना की उपलब्धता, तकनीक का उपयोग और सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण किस प्रकार जटिल लगने वाले कामों को भी सरल और तेज बनाते हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ वर्षों में जन्म-मृत्यु पंजीकरण, शिकायत निवारण, प्रमाण पत्र उपलब्धता और विभिन्न सेवाओं के डिजिटलीकरण ने आमजन की परेशानी को काफी हद तक कम किया है। बिलासपुर से लेकर बस्तर तक हर कोई घर बैठे प्रमाण पत्र, आवेदन स्थिति और अन्य सेवाओं का लाभ उठा पा रहा है। इससे न केवल समय और ऊर्जा की बचत होती है, बल्कि प्रक्रियाएँ पारदर्शी और विश्वसनीय भी बनी हैं।

संपादकीय

बहुत चुभती है हार

हार 30 रनों से मिले या फिर 408 से, चुभती ही है, लेकिन गुवाहाटी टेस्ट जैसी हार क्रिकेट फैंस के लिए त्रासदी जैसी होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट गंवाने वाली टीम इंडिया ने क्लीन स्वीप खाने के साथ-साथ ऐसे रेकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं, जो पीछे कई सवाल छोड़ जाते हैं। मैदान पर हार से पहले ही हारी हुई लग रही टीम इंडिया को फिर से उठाना है, तो रवायती जवाबों से काम नहीं चलेगा। कोच गौतम गंभीर इस समय क्रिकेट फैंस के निशाने पर हैं। उनके निर्णयों की आलोचना की जा रही है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी सबकी है और शुरुआत मुझसे होती है। लेकिन, यह याद दिलाना भी नहीं भूले कि उन्हीं की कोचिंग में टीम ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज डॉ कराई थी और चैंपियंस ट्रोफी जीती। कई पूर्व खिलाड़ी भी गंभीर के पक्ष में हैं, कि खेलना तो खिलाड़ी को होता है, कोच को नहीं। बात बिल्कुल सही है, लेकिन जब कोच किसी जीत में हिस्सेदार होता है, तो हार की जिम्मेदारी से वह बच नहीं सकता। गंभीर के फैसले पर अंगुली उठाने वाले भी कई पूर्व खिलाड़ी ही हैं, जिन्हें टीम इंडिया का सिलेक्शन प्रॉसेस समझ नहीं आ रहा। हर कोच का अपना विजन होता है। राहुल द्रविड़ के जाने के बाद गौतम गंभीर ने जिस तरह टीम में नए कॉम्बिनेशन बनाए, वह उनका तरीका है। लेकिन, फिर भी कुछ फैसले सवालों से नहीं बचते। सरफराज जैसे खिलाड़ियों की अनदेखी क्या घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन की अनदेखी नहीं है? टेस्ट क्रिकेट को स्पेशलिस्ट और स्थायित्व चाहिए। क्या टीम इंडिया बहुत ज्यादा प्रयोग की शिकार हो गई? गंभीर के कोच बनने के बाद से भारत 18 में से 10 टेस्ट हार चुका है। 5 टेस्ट तो उसने अपनी जमीन पर गंवाए हैं। जो टीम टेस्ट चैंपियनशिप के लगातार दो फाइनल में पहुंची हो, उसका ऐसा प्रदर्शन बताता है कि समस्या बहुत गहरी है। गंभीर ने पिछले प्रदर्शनों का हवाला दिया, पर उसी दौरान भारत को श्रीलंका से 27 साल बाद वनडे सीरीज हारनी पड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया में भारत उस टीम से वनडे श्रृंखला गंवा बैठा, जिसके कई मुख्य खिलाड़ी रेस्ट पर थे। जीत हो या हार, उससे जुड़ी हकीकत को देखना जरूरी है। इस हार पर बहस केवल परिणाम नहीं, उस वजह से हो रही है, जैसे यह गले पड़ी है। गंभीर और बीसीसीआई, दोनों को सोचना है कि बदलाव के नाम पर बदलाव, सीनियर खिलाड़ियों की अनदेखी, टीम में लगातार उठा-पटक और घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को तवज्जो न देना कितना सही है।

भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औज़ार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है।

हिंदी में शपथः नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक उद्घोष

(ललित गर्ग)

हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है। भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औज़ार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरुआत कर रही हैं। हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दूसरे स्थान पर है, इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरुआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है। हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है। न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका तक और वैश्विक मंचों से लेकर डिजिटल मंचों तक-हिंदी का सम्मान बढ़ रहा है। यह सम्मान न किसी के आदेश से आया है, न किसी दवाब से; यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से उठा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ नए भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का प्रतीक बन गई है। यह उस स्वाभिमान का उद्घोष है कि भारत अब अपनी भाषा से संकोच नहीं करेगा। यह वह क्षण है जिसने भाषा के प्रश्न को संवैधानिक गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के सर्वोच्च स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कदम ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा का प्रकाश है, एक ऐसा प्रकाश जो आत्मविश्वास, सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की नई राहें रोशन कर रहा है। यही वह दिशा है जिसमें नया भारत आगे बढ़ रहा है-अपनी भाषा में, अपने स्वभाव में और अपनी अस्मिता में आत्मविश्वास से भरपूर। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चिंता- विकास के पंखों के नीचे दम तोड़ते अंडमान और निकोबार के मैंग्रोव

(शकुंतला राणावत)

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तटीय क्षेत्र केवल समुद्र की सुंदरता के लिए ही नहीं जाने जाते बल्कि यहां फैले मैंग्रोव के जंगल इन द्वीपों की असली पूंजी हैं। मैंग्रोव न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि तटीय क्षेत्र को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने की अग्रिम पंक्ति में खड़े प्रहरी भी हैं। वास्तव में, मैंग्रोव तटों के रक्षक और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनधारा हैं।

भारत स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट 2023 के अनुसार, देश में कुल मैंग्रोव क्षेत्र 4,991.68 वर्ग किलोमीटर है, जो भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 0.15 प्रतिशत हिस्सा बनाता है। इनमें से सबसे अधिक मैंग्रोव पश्चिम बंगाल (42.45 प्रतिशत), उसके बाद गुजरात (23.66 प्रतिशत) और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह (12.39 प्रतिशत) में पाए जाते हैं।

वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक डॉ. नेहरू प्रभाकरण कहते हैं,-

मैंग्रोव एक अत्यंत महत्वपूर्ण तटीय आर्द्रभूमि हैं, जो अनेक प्रकार की प्रजातियों को पोषक तत्वों से भरपूर वातावरण और उनके जीवन के लिए आवश्यक आवास प्रदान करती हैं।

जब समुद्र की लहरें तेजी से तटों पर आती हैं, तो यही वृक्ष अपनी मज़बूत जड़ों से मिट्टी को बाँधे रखते हैं और कटाव को रोकते हैं। चक्रवात और सुनामी जैसी आपदाओं के दौरान ये लहरों की ऊर्जा को अवशोषित कर तटीय क्षेत्रों को गंभीर नुकसान से बचाते हैं। इन वनों के भीतर की शांत जलधाराएं असंख्य मछलियों, केकड़ों, झींगों और पक्षियों का घर हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि मैंग्रोव एक महत्वपूर्ण कार्बन सिंक भी हैं, ये वातावरण में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को अपने भीतर संग्रहित कर जलवायु परिवर्तन की रफ्तार को कम करने में मदद करते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मैंग्रोव का महत्व और भी बढ़ जाता है। ये प्राकृतिक 'जैव-ढाल' के रूप में काम करते हैं, जो तटों को चक्रवातों, समुद्री लहरों और क्षरण से बचाते हैं।

समुद्री लहरों की तीव्रता के लिए ढाल है मैंग्रोव

डॉ. प्रभाकरण बताते हैं, मैंग्रोव की उपस्थिति चक्रवात, समुद्री लहरों की तीव्रता और तटीय कटाव के विरुद्ध एक जैविक ढाल के रूप में कार्य करती है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अधिकांश स्थानीय समुदाय अपनी आजीविका के लिए मैंग्रोव से प्राप्त खाद्य संसाधनों पर निर्भर हैं, इसलिए इनका संरक्षण तटीय मानव समुदायों की स्थिरता और जीवन-निर्वाह के लिए अत्यंत आवश्यक है।

एक अध्ययन के अनुसार तटीय प्रदूषण, प्लास्टिक कचरा और भूमि उपयोग में तेजी से हो रहे बदलाव के चलते दक्षिण अंडमान के कई मैंग्रोव क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति नहीं रोकी गई, तो आने वाले दशक में द्वीपों का एक बड़ा हिस्सा कटाव और बाढ़ के खतरे में पड़ सकता है।

डॉ. प्रभाकरण के अनुसार-2004 की सुनामी के बाद अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मैंग्रोव वनों में भारी गिरावट देखी गई थी। अपनी प्राकृतिक पुनर्जीवित होने की क्षमता के कारण, कई स्थानों पर मैंग्रोव ने स्वयं को फिर से स्थापित कर लिया है। वन विभाग द्वारा किए गए वृक्षारोपण अभियानों ने भी कुछ क्षेत्रों में मैंग्रोव के सफल पुनर्स्थापन में योगदान दिया है।हालांकि, प्राकृतिक पुनर्जीवन क्षमता और वन विभाग के प्रयासों के बावजूद, कई कारण ऐसे हैं जिन्होंने मैंग्रोव के अस्तित्व को और अधिक बाधित, एवं उसके सीमित पुनर्जीवन में योगदान दिया है। विशेष रूप से, आक्रामक प्रजाति 'स्पॉटेड डियर' (चित्तीदार हिरण) द्वारा चराई ने मैंग्रोव के प्राकृतिक पुनर्जीवन को गंभीर रूप से बाधित किया है, खासकर राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों जैसे संरक्षित क्षेत्रों में।इसके अतिरिक्त, दक्षिण अंडमान के कुछ हिस्सों में भूमि पुनर्ग्रहण ने भी मैंग्रोव के पुनर्जीवन को सीमित कर दिया है। इसलिए, अंडमान द्वीपों में स्पॉटेड डियर की आबादी को नियंत्रित करना और तटीय क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाले उपलब्ध कानूनों और नीतियों का कड़ाई से पालन करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मैंग्रोव का प्राकृतिक पुनर्जीवन सुचारू रूप से हो सके।

तटीय क्षेत्रों में समुद्री कचरे की सफाई, प्लास्टिक-मुक्त अभियान और उपग्रह मॉनिटरिंग से भी स्थिति में सुधार लाया जा सकता है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

बिहार के नतीजों के बाद तेज हुई बंगाल में चुनावी सियासत

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद पश्चिम बंगाल में चुनावी सियासत तेज होने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पार्टी के तमाम नेताओं ने 'अब बंगाल की बारी' जैसे नारे दिए हैं। लेकिन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने एक वीडियो के जरिए उसके दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि सपने देखना अच्छी बात है। पार्टी का दावा है कि बिहार के नतीजों का बंगाल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बंगाल में बिहार दोहराने के लक्ष्य के साथ प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व और प्रबारियो को सक्रिय कर दिया है। यही वजह है कि नतीजों के अगले दिन ही यहां भाजपा की प्रदेश कोर कमिटी की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

(प्रभाकर मणि तिवारी)

भाजपा नेताओं को भरोसा है कि पार्टी बंगाल में भी बिहार के नतीजों को दोहरा सकती है। इसलिए पहले के मुकाबले रणनीति में बदलाव किए जा रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, बदली हुई रणनीति के तहत पार्टी युवा तबके के साथ ही रोजगार के लिए पलायन करने वाले प्रवासी मजदूरों को साथ जोड़ने के अलावा राज्य में बड़े पैमाने पर आधारभूत परियोजनाओं और रोजगार के अवसर पैदा करने वाली योजनाओं पर विचार कर रही है।

कोर कमिटी की बैठक में भी इन मुद्दों पर गहन चर्चा की गई और प्रदेश नेताओं से सुझाव मांगे गए कि कहां क्या हो सकता है।

पार्टी के एक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि बिहार के चुनावी नतीजों से पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

ममता हर बार चुनाव में स्थानीय मुद्दों के साथ ही लक्ष्मी भंडार जैसी विभिन्न योजनाओं के कारण महिला वोटरों का समर्थन हासिल करती रही है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव और बीते साल के लोकसभा चुनाव में इन दोनों मुद्दों ने पार्टी को भाजपा की चौतरफा चुनौतियों से निपटने में काफी मदद की थी। लेकिन भाजपा राष्ट्रीय मुद्दों के साथ स्थानीय मुद्दों को जोड़ कर इस बार उनके इस समर्थन की काट की रणनीति बना रही है।

पार्टी ने औद्योगिक विकास, बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधार के जरिए पूंजी निवेश आकर्षित करने और रोजगार के अवसर पैदा करने जैसे मुद्दो पर जोर देकर ममता के वोट बैंक में सेंध लगाने की रणनीति बनाई है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी का कहना है कि एसआआआर के बाद साफ-सुथरी मतदाता सूची से होने वाले चुनाव में भाजपा की जीत तय है। इलाके के तीन क्षेत्रों को कलिंग (ओडिशा), अंग (बिहार और बंग (बंगाल) के नाम से भी जाना जाता है। हमने कलिंग और अंग जीत लिए हैं, अब बंग की बारी है।

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष का कहना है कि भाजपा चाहे जो भी दावे करे, यहां चौथी बार भी तृणमूल कांग्रेस ही सरकार बनाएगी। पार्टी को अगली बार कम से कम 250 सीटें मिलेंगी। बंगाल के लोगों ने भाजपा की हिंदुत्व और नफरत की राजनीति को कई बार खारिज कर दिया हैं।

पार्टी ने केंद्र पर राज्य की महिलाओं के अपमान और उनको मिलने वाले पैसों को रोकने का अपना पारंपरिक आरोप दोहराया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशी पांजा ने कहा कि अगले चुनाव में भाजपा को महिलाएं इसका जवाब देंगी।

वैसे, तृणमूल कांग्रेस खेमे में बिहार के नतीजों से चिंता या आशंका की बजाय उत्साह है। पार्टी की राय में ममता बनर्जी के महिला सशक्तिकरण के हथियार की नकल कर ही बिहार में भाजपा को कामयाबी मिली है। लेकिन बंगाल में असली के सामने नकल नहीं चलेगा।

पार्टी के एक नेता ने बताया कि बिहार के नतीजों को ध्यान में रखते हुए ममता बनर्जी महिलाओं में लोकप्रिय लक्ष्मी भंडार योजना के तहत रकम बढ़ाने के अलावा महिलाओं के हित में कुछ अन्य योजनाएं शुरू करने पर भी विचार कर रही है।

लक्ष्मी भंडार के तहत हर महीने सामान्य वर्ग की महिलाओं को एक हजार और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग को 1200 रुपए महीने की रकम मिलती है।

पार्टी के एक प्रमुख नेता ने बताया कि चुनाव से पहले पेश होने वाले अंतरिम बजट में लक्ष्मी भंडार के लिए आवंटन बढ़ाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर बातचीत हो रही है।

बिहार चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने साफ कर दिया है कि वो अगले चुनाव में उसके (कांग्रेस के) साथ कोई तालमेल नहीं करेगी। यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि सीटों पर सहमति नहीं बनने की वजह से बीते साल लोकसभा चुनाव में इन दोनों दलों में तालमेल नहीं हो सका था।

तृणमूल के एक नेता ने बताया कि संसद में दोनों दलों के बीच समन्वय जारी रहेगा। लेकिन स्थानीय स्तर पर हम अकेले ही लड़ेंगे। बंगाल में हमें कांग्रेस की कोई जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक, बिहार में भाजपा को भले सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं, यह बात समझनी होगी कि पार्टी ने वहां जद(यू) के साथ गठजोड़ किया था। इसलिए अल्पसंख्यकों के भी कुछ वोट उसे मिल गए। लेकिन बंगाल की चुनावी तस्वीर अलग है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बिहार के नतीजों के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य में अब यह बात साफ हो गई है कि राज्य में अगले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला होगा।यह लेखक के निजी विचार हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी में मितानिन दीदियों का सम्मान

कोण्डागांव। सभी पांचों विकासखंड के मितानिनों का पंचायत एवं विभागीय स्तर पर सम्मान किया जा रहा है। इसी क्रम में 28 नवंबर को विकासखंड कोण्डागांव के अंतर्गत सेक्टर बम्हनी के आश्रित केंद्र संबलपुर बम्हनी बोरगांव कारियाकाटा हंगवा के 51 मितानिनों एवं 4 मितानिन प्रेरक का सम्मान स्वास्थ परिवार बम्हनी के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर के मेडिकल ऑफिसर डॉ. रिंकू मरकाम प्रभारी कृष्णा पटेल और पर्यवेक्षक संजय नायडू ने संयुक्त रूप से बताया कि मितानिन सम्मान दिवस 23 नवंबर को प्रदेश स्तर पर मनाया जाता है। इसी के तहत सम्मान कार्यक्रम प्रति वर्ष उक्त तिथि में मनाया जाता है। मितानिन कार्यकम वर्ष 2004 में प्रारंभ किया गया, जिसका मुख्य उददेश्य दूरस्थ ग्रामीण अंचल के ग्राम पारा टोले की जागरूक एवं शिक्षित इच्छुक महिला को चयनित कर स्वास्थ कार्यक्रम की जानकारी के साथ प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे अपनी निःशुल्क सेवा समाज को दे सके। आज वर्तमान समय में विभाग एवं समाज में अपनी छवि एक समाज सेविका के रूप में पहचान बनाई है उनकी सेवा भावना से विभाग में भी बेहतर परिणाम स्वरूप विभागीय कार्यक्रम में प्रोत्साहन राशि दिया जाने लगा, जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर समाज में और भी स्वास्थ के प्रति बेहतर कार्य कर सके आज स्वास्थ विभाग के साथ साथ अन्य विभाग के कर्मचारी अधिकारी भी किसी न किसी कार्य के लिए मितानिन दीदियों को दायित्व सौंपते है, इनकी सेवा भावना को सम्मानित करने के लिए शासन प्रशासन द्वारा वर्ष 2011 से 23 नवम्बर को प्रति वर्ष पंचायत एवं स्वास्थ विभाग के द्वारा ब्लॉक एवं सेक्टर स्तर पर भी सम्मानित किया जाता है। मितानिन दीदियों द्वारा अपने एरिया के ग्राम टोले में 200 से 250 जनसंख्या के परिवार को जन्म से मृत्यु तक के समय की सेवा संबंधित केंद्र के कर्मचारी के साथ सामंजस्य कर करती है समाज में सही आयु में विवाह से लेकर प्रथम तिमाही में गर्भवती महिला की पंजीयन, समय पर उच्च जोखिम महिला की पहचान, गर्भवती महिला एवं बच्चो का टीकाकरण में सहयोग, संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करना, प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान की निर्धारित तिथि 9 एवं 24 तारीख को नजदीकी पी एच सी एवं जिला अस्पताल में भी हितग्राहियों को ले जाने का कार्य के साथ गर्भावस्था के समय एवं प्रसव उपरांत फॉलोअप कार्य, टी बी, कुष्ठ, मोतियाबिंद के संभावित मरीजों की पहचान एवं उपचारित मरीजों का फॉलोअप कार्य, परिवार कल्याण कार्यक्रम के अस्थाई एवं स्थाई साधन की जानकारी के लिए प्रेरित करना एवं गैर संचारी रोग का पंजीयन एवं जांच कराने में सहयोग करना इसके अन्य कार्य में सतत संलग्न रहती है और वर्तमान समय स्वास्थ विभाग और समाज में सबसे निचले स्तर की मुख्य कड़ी के नाम से जानी पहचानी जा रही है। इस अवसर पर सभी मितानिन दीदियों का सम्मान कर सेक्टर गर्व महसूस कर रहा है। अब से प्रति वर्ष सेक्टर स्तर पर ये कार्यक्रम का आयोजन किए जाने की बात कही गई। इस दौरान पीएचसी के दीपक नाग, धनेश्वरी ध्रुव, शालू वट्टी, बिंदे लता ठाकुर, सन्मति सोरी, निर्मला मालेकर, बिंदिया पटेल, दीपिका नेताम, धनेश्वरी नाग, निर्मला नेताम, मयंक देवांगन, घुड़वंत कुलदीप, ओम प्रकाश देवांगन, सियाराम कश्यप, एम टी लता साहू, विषनाथ एवं अन्य समस्त विभागीय कर्मचारी मितानिन प्रेरक उपस्थित रहे।

किरन्दुल में एनएसएस शिविर के छठवें दिन बौद्धिक चर्चा व पौधारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न

किरंदुल। किरन्दुल में एनएसएस शिविर के छठवें दिन प्रार्थना एवं योगाभ्यास किया गया।योगाभ्यास में स्वयं सेवकों के द्वारा में सूर्य नमस्कार एवं 12 विधिओं का अभ्यास किया गया। तत्पश्चात परियोजना कार्य के अन्तर्गत जल निकासी मार्ग बनाया गया तथा प्राथमिक शाला पटेलपारा के प्रांगण में शाला के सामने पौधा रोपण किया गया। बौध्दिक चर्चा के अन्तर्गत नर्सरी प्रबन्धक के द्वारा वृक्षारोपण तथा उनकी देखभाल व महत्वता की जानकारी दी गई।

शराबखोरी पर ग्राम पंचायत कोकोड़ी का कड़ा रुख
खुटडोबरा व दोड़ापारा ग्रामीणों ने सफाई अभियान चलाया

कोण्डागांव। कोण्डागांव के ग्राम पंचायत कोकोड़ी अंतर्गत खुटडोबरा और दोड़ापारा के ग्रामीणों ने गांव के पास स्थित शराब दुकान क्षेत्र में फैली अव्यवस्था के खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाई है। रविवार की सुबह महिला, पुरुष, युवा, बच्चे और सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मार्ग क्षेत्र में एकत्र हुए। उन्होंने निर्णय लिया कि, सबसे पहले वे सड़क किनारे व मार्ग में फेंकी गई शराब की खाली बोतलों की सफाई करेंगे, जिसके बाद गांव की मर्यादा भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोकोड़ी गांव के सरपंच मनसुख नेताम, ग्रामीण महिलाएं उमेश्वरी नेताम, गंदोबाई नेताम, शांति कोर्राम वह अन्य जानकारी देते हुए बताया कि, ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से तय किया कि, अब मार्ग क्षेत्र में शराब पीते पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर ग्राम पंचायत की ओर से 3000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि इसके बाद भी शराबियों की हरकतें जारी रहीं तो वे शासन-प्रशासन के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेंगे। महिलाओं और युवतियों ने आरोप लगाया कि सड़क पर खड़े होकर शराब पीने से उन्हें रोजाना लज्जाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ता है। कई बार छेड़छाड़ जैसी घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। वहीं शराब पीकर फेंकी जा रही खाली बोतलों के कारण आसपास के जंगल, खेत, तालाब और मवेशियों के चराई क्षेत्र तक प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इन बोतलों से जानवरों को चोट लगने, आग लगने जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। ग्रामवासियों ने एकमत होकर कहा कि गांव की सुरक्षा, मर्यादा और स्वच्छता के लिए यह कदम आवश्यक है और अब शराबखोरी के खिलाफ उनका जनआंदोलन और भी मजबूत होगा।

गाइडलाइन दरों में भारी बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल
कोण्डागांव में पुतला दहन, फैसला को बताया जनविरोधी

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ में जमीनों की गाइडलाइन दरों में 10 से 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर कोण्डागांव कांग्रेस भवन में प्रेसवार्ता आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारियों ने इस निर्णय को जनविरोधी, अदूरदर्शी और आर्थिक रूप से विनाशकारी बताया। प्रेसवार्ता के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय बस स्टैंड में सरकार का पुतला दहन कर विरोध जताया। प्रेसवार्ता में संबोधित करते हुए कांग्रेस महामंत्री रितेश पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार के आने के बाद भूमि की सरकारी दर 40 से 130 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है, जो आम जनता, किसानों, मजदूरों और रियल स्टेट सेक्टर के लिए गम्भीर संकट खड़ा करेगी। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी बड़े शहर–मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, पुणे–में भी एक बार में 10-15 प्रतिशत से अधिक वृद्धि नहीं की जाती, लेकिन छत्तीसगढ़ में 130 से 500 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी गई, जो पूरी तरह अव्यवहारिक है।

निर्माण रुकेगा, बेरोजगारी बढ़ेगी : कांग्रेस

कांग्रेस नेताओं ने बताया कि गाइडलाइन दर बढ़ने से मकान, दुकान, फैक्ट्री और भूमि खरीदी-बिक्री का खर्च कई गुना बढ़ जाएगा, जिससे निर्माण कार्य ठप पड़ेंगे और बेरोजगारी तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में धकेल देगा, क्योंकि कृषि के बाद रियल स्टेट सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ क्षेत्रों में 30 लाख की जमीन पर 22 लाख की स्टांप ड्यूटी देना पड़ेगा। कहीं 6 लाख की जमीन पर 4 लाख 40 हजार तक की रजिस्ट्री शुल्क की स्थिति बन गई है। कई स्थानों पर जमीन की कीमत और रजिस्ट्री शुल्क बराबर हो जाएंगे या शुल्क जमीन से भी अधिक हो जाएगा। ऐसे में गरीब और मध्यमवर्गीय लोग मकान कैसे बनाएंगे? कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने पहले 5 डिसमिल से कम भूखंड की रजिस्ट्री पर रोक लगाकर गरीबों को पहले ही मुश्किल में डाल दिया था, अब गाइडलाइन बढ़ाकर गरीब एवं किसानों के लिए जमीन खरीदना लगभग असंभव कर दिया है।

सरकार का आर्थिक प्रबंधन फेल, जनता पर बढ़ा बोझ : कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार के पास आर्थिक संसाधनों की कमी है, इसलिए बिजली सहित विभिन्न मदों में टैक्स और दरें बढ़ाई जा रही हैं। बिजली के 400 यूनिट तक की छूट समाप्त करना और अब जमीनों की रजिस्ट्री महंगी करना इसी आर्थिक संकट का संकेत है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार के निर्णय को पूरी तरह वापस लेने की मांग की है। कहा कि यदि गाइडलाइन की दरें कम नहीं की गईं, तो रियल स्टेट सेक्टर धराशायी हो जाएगा, रोजगार खत्म होंगे और आर्थिक मंदी गहराएगी। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि वह जनता के हित में इस फैसले के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेगी।

जमीन खरीदी बिक्री की नई गाइडलाइन का कांग्रेस ने किया विरोध

नारायणपुर। भाजपा सरकार ने चुप चाप तरीके से ज़मीन की नई गाइडलाइन लागु करने से फैक्ट्री, मकान, दुकान, ज़मीन, का दर 40 प्रतिशत से 400 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी।भाजपा सरकार में ज़मीन की नई गाइडलाइन से ज़मीन की खरीदी बिक्री कम हो जाएगी और बेरोजगार बढ़ेगी। कांग्रेस पार्टी इस गाइडलाइन का पुरजोर विरोध करती है इस गाइडलाइन के विरोध मे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का पुतला दहन किया गया। नारायणपुर जिला कांग्रेस कमेटी भाजपा सरकार की ऐसी गाइडलाइन का पुरजोर विरोध करती है। दूसरे राज्यों के महानगरो मे भी जमीन की ऐसी गाइडलाइन लागु नहीं है। बड़े बड़े महानगरो मे 10-15 प्रतिशत से ज्यादा दर नहीं है। छत्तीसगढ़ प्रदेश की तात्कालीन कांग्रेस सरकार ने ज़मीन गाइडलाइन मे 30 प्रतिशत तक छूट प्रदान किया था और पांच डिसमिल से कम की रजिस्ट्री चालू करवाया था। नई गाइडलाइन लागू होने से अगर किसी गरीब आदमी के पास 1000-2000 वर्ग फुट ज़मीन है तो वह कभी बेच नहीं सकता और कुछ ज़मीन को बेच कर अपना पक्का मकान नहीं बना पायेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीवान ने कहा की डबल इंजन की भाजपा सरकार के पास योजनाओं को चलाने के लिए पैसा नहीं है, इसलिए भाजपा सरकार ने पहले 400 यूनिट तक मुफ्त बिजली योजना को बंद किया, और अब ज़मीन की नई गाइडलाइन से आम जनता को परेशान करना का काम शुरू कर रही है। वही ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रवि देवांगन ने कहा की भाजपा सरकार की नई गाइडलाइन के तहत अगर शहरो के आसपास 1000 वर्ग फुट ज़मीन 6 लाख की कीमत मे रज़िस्ट्री होता है तो इसका रजिस्ट्री शुल्क 4 लाख 40 हजार रूपए होगा ऐसे मे रज़िस्ट्री शुल्क ज़मीन दर के बराबर होगा ऐसी गाइड लाइन का कॉग्रेस पार्टी विरोध करती है। पुतला दहन कार्यक्रम मे शहर कांग्रेस अध्यक्ष रघु मानिकपुरी, जिला कांग्रेस सचिव संजय राय, ब्लॉक उपाध्यक्ष शब्बीर बढ़गुजर, माधेश्वर जैन, चैन सिंह भोयर, पिलसाय सलाम, दीपक गाँधी, कुणाल उइके, तरुण देहारी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुआकोंडा में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत पर कार्यशाला आयोजित

दंतेवाड़ा। शहीद कवासी रोहड़ा पेद्दा शासकीय महाविद्यालय कुआकोंडा में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समाज की ऐतिहासिक विरासत, सामाजिक योगदान एवं आध्यात्मिक परंपराओं को समझना तथा विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महेन्द्र नायक (सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद) ने जनजातीय समाज के संघर्ष, संस्कृति एवं योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि सोमडू कोर्राम (अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति) ने जनजातीय विकास की योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि सुकालू राम मुढामी (अध्यक्ष, जनपद पंचायत कुआकोण्डा) ने जनजातीय नेतृत्व की भूमिका पर विचार साझा किए।कार्यक्रम की संरक्षकता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. हिरकने ने की।संयोजक प्रतीक कारटे (सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र) एवं सह संयोजक भीमपाल रंगारी (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य) ने आयोजन की रूपरेखा तैयार की। आयोजन समिति में गजेन्द्र कुमार सोनकुंवर (गणित), डॉ. तुषार कांते (राजनीति शास्त्र), चेतन लाल (प्रयोगशाला तकनीशियन), देवचरण निराला (अतिथि व्याख्याता), झनक लाल तारम (अतिथि ग्रंथपाल), तपस्या कोल, गीताजंली साहू, मीनाक्षी रंगारी, गौतम भदौरिया, जयेश लारिया, खिलेश्वर कोसमा एवं संतोष साहू ने सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। यह आयोजन महाविद्यालय की सामाजिक चेतना एवं जनजातीय विषयों पर अकादमिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

कांग्रेस प्रदेश महासचिव रवि घोष को बनाया गया कोण्डागांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष

कोण्डागांव। जिले में कांग्रेस संगठन को नई दिशा और ऊर्जा देने की जिम्मेदारी अब रवि घोष को सौंपी गई है। कांग्रेस प्रदेश महासचिव रवि घोष का हुआ डिमोशन, बनाए गए कोण्डागांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष, पहले भी दो बार रह चुके है जिलाध्यक्ष, तीसरे बार बनाए गए हैं डिमोशन के सवाल पर रवि घोष ने कहा : कोण्डागांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष, रवि घोष ने कहा जहां आवश्यकता थी वहां मुझे दिया गया दायित्व, कांग्रेस के केंद्रीय सर्वे दल के इंटर्नल रिपोर्ट पर दिया गया जिम्मेदारी। घोष ने यह भी बताया कि सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर टीम भावना से काम करना उनकी प्राथमिकता होगी। वे जल्द ही जिले के अलग-अलग ब्लॉकों और मंडलों का दौरा कर संगठनात्मक ढांचा मजबूत करने की शुरुआत करेंगे। अपनी नियुक्ति के बाद रवि घोष ने कहा कि संगठन ने जिस भरोसे और उम्मीद के साथ उन्हें जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है, उसे वे पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास कांग्रेस की विचारधारा और नीति को हर बूथ, हर गांव तक पहुंचाते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाना होगा।

पीएम मोदी की 'मन की बात' में युवा शक्ति, कृषि क्रांति और सांस्कृतिक धरोहर का उद्घोष

भानुप्रतापपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 128वें एपिसोड में देश की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में बने नए कीर्तिमानों, युवाओं की वैज्ञानिक दृढ़ता, और वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को प्रमुखता से उल्लेखित किया। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में देश की असाधारण प्रगति की सराहना करते हुए बताया कि भारत ने 357 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि दस वर्ष पहले की तुलना में खाद्यान्न उत्पादन में 100 मिलियन टन की वृद्धि हुई है, जो देश के किसानों की अथक मेहनत का स्पष्ट प्रमाण है। 'मन की बात' का एक विशेष आकर्षण इसरो की अनोखी ड्रोन प्रतियोगिता का ज़िक्र रहा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पीएम मोदी ने बताया कि देश के युवा, जिन्हें Gen-Z कहा जाता है, मंगल ग्रह की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का अनुकरण करते हुए ड्रोन उड़ा रहे थे। इस प्रतियोगिता में पुणे के युवाओं की टीम की सफलता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी यह दृढ़ता उन्हें चंद्रयान-2 की असफलता के बाद चंद्रयान-3 की तैयारी करने वाले वैज्ञानिकों की याद दिलाती है।

नवंबर की प्रेरणादायक घटनाए - वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रमों की शुरुआत, अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा आरोहण, कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में पांचजन्य स्मारक का लोकार्पण, जी-20 में भारतीय कला-संस्कृति की वैश्विक पहचान, जी-20 सम्मेलन का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों को भेंट किए गए भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े उपहारों का ज़िक्र किया, जिससे भारतीय कला और संस्कृति को वैश्विक पहचान मिली। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति कोः चोल कालीन नटराज प्रतिमा। कनाडा के प्रधानमंत्री कोः उदयपुर की चांदी के अश्व की प्रतिकृति। जापान की प्रधानमंत्री कोः तेलंगाना की प्रसिद्ध बुद्ध प्रतिमा। संस्कृति और प्राकृतिक खेती के केंद्र कुरुक्षेत्र में महाभारत अनुभव केंद्र की प्रशंसा की गई, जहाँ 3ष्ठ और डिजिटल तकनीकों से महाभारत की कथा को जीवंत किया जा रहा है। कोयंबटूर में नेचर फार्मिंग सम्मेलन के प्रयासों की सराहना की गई, जहाँ उच्च शिक्षित युवा प्राकृतिक खेती को अपनाकर कृषि में नई दिशा दे रहे हैं।

भानुप्रतापपुर में 'मन की

आवारा कुत्तों को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाने की कार्रवाई शुरू

कोण्डागांव। कोण्डागांव नगर पालिका क्षेत्र में आवारा कुत्तों को एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन के लिए अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत नगर पालिका और पशु चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आवारा कुत्तों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश डे ने बताया कि यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पशु-जनित संक्रमणों की रोकथाम के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। 07 लोगों की टीम बनाकर, पहले दिन 22 आवारा कुत्तों को एंटी रेबीज लगाया गया है। यह अभियान अभी लगातार जारी रहेगी।

बोर्ड कक्षाओं के वार्षिक परीक्षा के लिए अतिरिक्त कक्षाएं आयोजन

कोण्डागांव। विगत दिवस संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग जगदलपुर के जिला कोण्डागांव माकड़ी दौरा उपरांत कार्यालय जिलाधीश कोण्डागांव सभागार में मैराथन मंथन बैठक में प्राप्त निर्देशों के परिपालन में बोर्ड कक्षाओं के परीक्षाओं में विद्यार्थियों की उच्चतम सफलताओं हेतू पूर्व तैयारीयां सन्दर्भ में विषय विशेषज्ञों से अतिरिक्त कक्षाओं के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। को सारगर्भित करते हुए सुदूर ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से प्राचार्य स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंग्रेजी माध्यम शामपुर तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिंदी माध्यम शामपुर के अनूप विश्वास के प्रयासों से हितेंद्र कुमार श्रीवास प्रधान अध्यापक शासकीय प्राथमिक शाला खुटपारा सोनाबाल संकुल सोनाबाल ने अंग्रेजी भाषा विषयगर्भित विशिष्ट शिक्षण जिसमें मोटिवेशनल स्पीच के साथ भाषा आधारित मौलिक दक्षताओं का शिक्षण बैगलेस डे शनिवार के अवसर पर अतिरिक्त कक्षाएं के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाया।

संक्षिप्त समाचार

तत्काल योजना में आधार ओटीपी प्रमाणीकरण लागू-बिलासपुर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड द्वारा तत्काल टिकट योजना में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए आधार आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण को अनिवार्य कर दिया गया है । अब संपूर्ण भारतीय रेलवे की सूचीबद्ध ट्रेनों में तत्काल आरक्षण के दौरान यात्री को अपना आधार ओटीपी सत्यापन पूरा करना आवश्यक होगा । इसी कड़ी में, ट्रेन संख्या 12441 (बिलासपुरनई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस) की अगली यात्रा गुरुवार, 04 दिसंबर 2025 को निर्धारित है । इस यात्रा के लिए तत्काल बुकिंग 03 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होगी । इस ट्रेन के लिए आधार ओटीपी सक्षम करने से संबंधित सभी आवश्यक तकनीकी प्रक्रियाएँ पूरी कर ली गई हैं, तथा यात्री अब अपना आधार विवरण सत्यापित कर ओटीपी आधारित तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे नए निर्देशों का पालन करें और तत्काल टिकट लेते समय आधार ओटीपी प्रमाणीकरण अवश्य कराएँ, जिससे उनकी बुकिंग प्रक्रिया तेज़, सुरक्षित और निर्बाध बनी रहे ।

ई-कैटरिंग सेवा : यात्रियों को मिल रहा है अधिक विकल्प, बेहतर सुविधा

बिलासपुर। भारतीय रेलवे की ई-कैटरिंग नीति के तहत यात्री अब अपनी यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी के अधिकृत प्लेटफ़ॉर्म एवं विक्रेताओं के माध्यम सेप ऑनलाइन भोजन ऑर्डर कर सकते हैं । आईआरसीटीसी द्वारा मान्यता प्राप्त रेस्तरां, ब्रांडेड आउटलेट एवं डिलीवरी पार्टनर यात्रियों को चयनित स्टेशन पर सीधे सीट पर भोजन डिलीवर करते हैं । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आईआरसीटीसी के साथ मिलकर ई-कैटरिंग सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है । विशेष रूप से अमृत भारत योजना के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों पर अधिकृत ई-कैटरिंग अधिकृत विक्रेता की संख्या बढ़ाई जा रही है, जिससे यात्रियों को अधिक विकल्प, विविधतापूर्ण मेन्यू, विस्तृत सेवा-क्षेत्र और बेहतर सेवा स्तर उपलब्ध हो सके । नवम्बर 2025 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 357 अधिकृत ई-कैटरिंग अधिकृत विक्रेता उपलब्ध हैं, जबकि अप्रैल 2025 में इनकी संख्या केवल 180 थी, अर्थात् उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की गई है । इन सेवाओं का लाभ अब रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, गोंदिया, पेंड्रा रोड, अनुपपुर, उमरिया, छिंदवाड़ा सहित मुख्य एवं शाखा लाइन के कई स्टेशनों पर उपलब्ध है । यात्री अपनी पसंद के ब्रांडेड आउटलेट जैसे डोमिनोज़, केएफ्सी, हल्दीराम आदि के साथ-साथ स्थानीय लोकप्रिय भोजन केंद्रों से भी भोजन मँगवा रहे हैं । ई-कैटरिंग सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से रेल मदाद प्लेटफ़ॉर्म पर भोजन की अनुपलब्धता से संबंधित शिकायतें विशेषकर कटनी-बिलासपुर सेक्शन में शून्य पर आ गई हैं । यात्रियों से प्राप्त फीडबैक भी दर्शाता है कि यात्रा के दौरान मनपसंद भोजन की उपलब्धता से उनकी संतुष्टि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयासरत है ।

कटघोरा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने एसडीएम के नेतृत्व में चली पालिका की कार्रवाई

कोरबा। नगर के मुख्य मार्ग पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण और इससे आम नागरिकों को हो रही परेशानियों को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने अब सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है. शनिवार को एसडीएम तन्मय खन्ना के निर्देश पर नगर पालिका परिषद की टीम ने शहीद वीर नारायण चैक के पास बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की. कटघोरा के सबसे व्यस्ततम चैराहों में से एक वीर नारायण चैक के पास स्थित गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के मुख्य गेट के ठीक सामने लंबे समय से कई दुकानों ने अवैध कब्जा जमा रखा था. दुकानों की वजह से सड़क पर जगह बेहद कम हो गई थी, जिसके चलते छात्राओं और शिक्षिकाओं को सड़क पार करने और स्कूल आने-जाने में लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था. कई बार ट्रैफिक जाम और दुर्घटना जैसे हालात भी बनते रहे. स्कूल प्रबंधन द्वारा इस समस्या को प्रशासन के संज्ञान में लाए जाने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम तन्मय खन्ना ने तुरंत कार्रवाई के आदेश जारी किए। नगर पालिका परिषद की टीम ने सुबह से ही मौके पर पहुंचकर दुकानों, बढ़े हुए शेड, बैनर और ठेले-खोमचे को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी. कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा. एसडीएम तन्मय खन्ना और नगर पालिका ब्डव् मुद्रिका प्रसाद तिवारी स्वयं पूरे ऑपरेशन की निगरानी करते रहे. अचानक हुई इस कार्रवाई से अवैध कब्जा जमाकर बैठे लोगों में हड़कंप मचा रहा, जबकि आम नागरिकों और अभिभावकों ने इस कदम का स्वागत किया। नगर पालिका ब्डव् मुद्रिका प्रसाद तिवारी ने बताया कि यह कार्रवाई केवल शुरुआत है.

विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

विधायक अमर अग्रवाल एवं कलेक्टर अग्रवाल को बांधा रेड रिबन

■ व्यवधानों पर विजय पाए, एड्स की प्रतिक्रिया में सकरात्मक बदलाव लाए'' थीम पर हुए आयोजन

बिलासपुर। 1 दिसंबर 2025 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिले में स्वास्थ्य विभाग एवं जिला एड्स नियंत्रण इकाई द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल और कलेक्टर संजय अग्रवाल को स्वास्थ्य विभाग की टीम और सामाजिक संस्थाओं द्वारा रेड रिबन पहनाया गया और एड्स के प्रति सामाजिक जागरूकता में सहयोग की अपील की गई। सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल और एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी के मार्गदर्शन में इस वर्ष की थीम व्यवधानों पर विजय पाए, एड्स की प्रतिक्रिया में सकरात्मक बदलाव लाए को केंद्र में रखते हुए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गईं। बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल और कलेक्टर संजय अग्रवाल को टीआई एनजीओ के सदस्यों के द्वारा रेड रिबन पहनाया गया। बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि समाज में एड्स के प्रति बहुत सी भ्रांतियां है जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि विश्व एड्स दिवस सामाजिक जागरूकता का संदेश देता है। हम समाज और समुदाय को अधिक से अधिक एचआईवी और एड्स के प्रति जागरूक कर सके ताकि लोग संक्रमण से बच सके। सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल ने अपने संदेश में कहा कि समाज में एचआईवी, एड्स को लेकर कई तरह की रुकावटें और भ्रांतियाँ हैं, जिन्हें दूर करना आवश्यक है। लगातार प्रयास, सही जानकारी और समय पर उपचार से एचआईवी नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे मरीज स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। डीटीओ डॉ. गायत्री बांधी ने जिले में उपलब्ध सेवाओं आईसीटीसी एआरटी सेंटर और टॉर्गेटेड इंटरवेनशन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेवाओं तक पहुँच में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विभाग लगातार समुदाय के साथ मिलकर काम कर रहा है। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सिम्स, जिला अस्पताल, विभिन्न सामुदायिक केंद्रों में 2025 की थीम के अनुरूप विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, रैली, बैनर पोस्टर के माध्यम से लोगों को बदलते समय के साथ जागरूकता बढ़ाने, सेवाओं तक पहुँच मजबूत करने और भेदभाव समाप्त करने का संदेश दिया गया। जिले में कार्य कर रही विभिन्न सामाजिक संस्थाएं समर्पित, छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास समिति, बस्तर सामाजिक विकास समिति, प्रकृति सेवा संस्थान, ओएसटी सेंटर, नवस्थ विकास समिति द्वारा अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महत्वपूर्ण पहल........

■ हिमगीर-दाघोरा के मध्य समपार संख्या 276 पर निर्माणाधीन रोड ओवरब्रिज में गर्डरों की सफल स्थापना

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा एवं सुविधा बढ़ाने के लिए निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। समपार फाटकों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम करने तथा अत्यधिक सड़क यातायात वाले मार्गों पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान होने वाली असुविधाओं को समाप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न समपार फाटकों पर रोड ओवरब्रिज , रोड अंडरब्रिज एवं लिमिटेड हाइट सबवे (रुाास) का निर्माण किया जा रहा है, ताकि यातायात को सुरक्षित रूप से वैकल्पिक मार्ग प्रदान किया जा सके। इसी क्रम में मंडल के हिमगीर-दाघोरा स्टेशनों के मध्य किमी 552/05-07 पर स्थित समपार संख्या 276 (गुमदा फाटक) पर रोड ओवरब्रिज का कार्य तेजी से प्रगति पर है। निर्माण कार्य को गति प्रदान करते हुए आज दिनांक 01 दिसम्बर 2025 को 36-36 मीटर लंबे तीन गर्डरों की सफलतापूर्वक स्थापना की गई। यह कार्य अधिकारियों के नेतृत्व में कर्मचारियों द्वारा पूर्ण सतर्कता, सजगता एवं सुरक्षा मानकों के पूर्ण अनुपालन के साथ 02 घंटे का ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लेकर संपन्न किया गया। गर्डरों की सफल लांचिंग के साथ इस आरओबी निर्माण में एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है। आरओबी निर्माण के पूर्ण होते ही गुमदा फाटक से होकर गुजरने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं एवं वाहनों को सुरक्षित, संरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और दुर्घटनाओं की संभावनाएँ भी समाप्त होंगी।

थाना रतनपुर में सरयू पारिण ब्राह्मण सभा के द्वारा प्राथमिक सूचना दर्ज कराया गया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सरयू पारिण ब्राह्मण सभा द्वारा ब्राह्मण कन्या के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर प्राथमिक सूचना दर्ज ,रतनपुर, छत्तीसगढ़ सरयू पारिण ब्राह्मण सभा द्वारा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व अजाक्स के नवनियुक्त अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण कन्याओं के लिए की गई अपमानजनक टिप्पणी, जब तक कोई ब्राह्मण अपनी बेटी मेरे बेटे को दान में ना दे या उससे संबंध ना बनाएं तब तक आरक्षण का लाभ जारी रहना चाहिए इस अपमानजनक टिप्पणी से पूरा ब्राह्मण समाज आहत है। तथा अपनी बेटियों के खिलाफ की गई इस टिप्पणी से अपने को अपमानित महसूस कर रही है। यह समाज में द्वेष फैलाने व सामाजिक समरसता के विरुद्ध है। आज ब्राह्मण सभा के प्रतिनिधियों ने थाने पहुंचकर उनके खिलाफ प्राथमिकी सूचना (एफ्आईआर)दर्ज कराई इस कार्य में प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष बलराम पांडे, राजेंद्र मिश्रा, राजेश शर्मा, महंत दिव्याकांत महाराज, ओमप्रकाश दुबे, शिवानंद पांडे ,कृष्णकांत शर्मा, राजेंद्र दुबे, अजय दुबे के अलावा ब्राह्मण सभा के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोरबा में ब्लू निब प्रोजेक्ट का औपचारिक शुभारंभ....

कोरबा। ब्लू निब पिरामल फाउंडेशन की ओर से सीनियर प्रोग्राम डायरेक्टर संजय जी ने आज कोरबा जिले में ब्लू निब प्रोजेक्ट का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिले के प्रमुख पत्रकार राजेश कुमार मिश्रा, दिबन्दू, कुश कुमार, प्रतिमा सरकार, संगम दुबे, गणेश राम सूर्यवंशी, भोला केवट और नरेंद्र राठौर उपस्थित रहे। साथ ही, पिरामल फाउंडेशन की टीम से मंशु शुक्ला, ऋचा साहू, नीलू पटेल और पल्लवी पंकज ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अवसर पर संजय जी ने समाधान आधारित पत्रकारिता की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रोजेक्ट की दृष्टि, कार्यप्रक्रिया और मीडिया सहभागिता योजना साझा की। उन्होंने कहानी निर्माण की पिरामिड संरचना कृ चुनौती, नायक और समाधान कृ का उल्लेख करते हुए कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य केवल समस्याएँ उजागर करना नहीं, बल्कि समाधान की ओर मार्गदर्शन करना भी है। मीडिया प्रतिनिधियों ने संयुक्त फील्ड विजिट और सकारात्मक, समाधान केंद्रित कहानियों के निर्माण में सहयोग देने की इच्छा जताई। संजय जी ने कहा कि कोरबा में ब्लू निब प्रोजेक्ट का शुभारंभ होना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने जिला टीम और पिरामल फाउंडेशन के समन्वित प्रयासों की सराहना की। ब्लू निब प्रोजेक्ट कोरबा में समाधान आधारित पत्रकारिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभर रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोतरलिया-रायगढ़ सेक्शन के डाउन लाइन पर स्थित ब्रिज संख्या 136 का सफल री-गर्डरिंग कार्य सम्पन्न.....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोतरलिया-रायगढ़ रेलखंड के डाउन लाइन पर किमी 572/24-20 पर स्थित ब्रिज नंबर 136 का री-गर्डरिंग कार्य आज दिनांक 29 नवंबर 2025 को सफ्लता पूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य पुराने गर्डरों के स्थान पर नए गर्डर लगाए जाने तथा उन्हें मजबूत किए जाने की प्रक्रिया है, जिससे पुल की दीर्घकालीन संरक्षा एवं मजबूती सुनिश्चित की जा सके । इस पुल में कुल 03 गर्डर हैं, जिनमें से प्रत्येक का स्पैन 18.3 मीटर है । कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने हेतु डाउन लाइन पर 12:15 बजे से 18:15 बजे तक 06:00 घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया । वहीं अप लाइन पर गर्डरों की आवाजाही के लिए 03:40 घंटे का ब्लॉक (13:40 से 15:25 बजे एवं 15:55 से 17:50 बजे तक) लिया गया। कार्य के निष्पादन हेतु प्रमुख रूप से कई व्यवस्थाएं की गई, जिनमें 300 मीट्रिक टन क्षमता का रोड क्रेन हावड़ा छोर पर लगाया गया, जिसके माध्यम से 02 पुराने गर्डर हटाए गए तथा 02 नए गर्डर स्थापित किए गए। 250 मीट्रिक टन क्षमता का रोड क्रेन बिलासपुर छोर पर तैनात किया गया, जिसके द्वारा 01 पुराना गर्डर हटाया गया एवं 01 नया गर्डर स्थापित किया गया। इसके साथ ही, पुल संख्या 136 डाउन पर संरक्षित एवं सुगम रेल संचालन सुनिश्चित करने हेतु 108 स्टील चैनलों को एच-बीन स्लीपरों से प्रतिस्थापित किया गया। ब्रिज संख्या 136 डाउन लगभग 100 वर्ष पुराना है। इसके गर्डरों के प्रतिस्थापन से पुल की संरचनात्मक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे इस खंड में रेल संचालन अधिक संरक्षित और विश्वसनीय हो सकेगा । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के ब्रिज सेल ने उत्कृष्ट समन्वय, तकनीकी दक्षता और समयबद्धता का परिचय देते हुए कार्य को निर्धारित ब्लॉक अवधि में सफ्लतापूर्वक संपन्न किया ।

रेलवे के ब्रजराजनगर यार्ड में क्रॉसओवर लेआउट सुधार कार्य एसपीएन रोलर प्रोसेस से सफलता पूर्वक सम्पन्न.....

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पहली बार क्रॉसओवर सुधार कार्य एसपीएन रोलर प्रोसेस से किया गया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ब्रजराजनगर यार्ड में 104 (अप मेन लाइन) और 104क्क (डाउन मेन लाइन) के मध्य स्थित क्रॉसओवर में समय के साथ विकसित हुई अवांछित वक्रता (किंक) ट्रैक ज्योमेट्री को प्रभावित कर रही थी । क्रॉसओवर के वास्तविक लेआउट को इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप पुन: स्थापित करने हेतु आवश्यक सुधार कार्य किया गया । इसके लिए डाउन मेन लाइन पर पॉइंट संख्या 104क्क को 2.33 मीटर बिलासपुर छोर की ओर स्थानांतरित करने का तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य एसपीएन रोलर्स की सहायता से सम्पन्न किया गया । एसपीएन रोलर प्रोसेस रेलवे इंजीनियरिंग में पूर्ण टर्नआउट को सहायक ट्रैक से उसके अंतिम स्थान तक तेज़ी और सटीकता से स्थानांतरित करने की उन्नत तकनीक है । इस विधि से कम समय में बिना अधिक लाइन ब्लॉक लिए कार्य पूरा हो जाता है, जिससे रेल परिचालन पर प्रभाव डाले बिना दक्ष, संरक्षित और शीघ्र ट्रैक सुधार सुनिश्चित होता है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में इस प्रकार का कार्य पहली बार एसपीएन रोलर प्रोसेस से किया गया है, जिससे यह कार्य एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बन गया है । विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि यह संपूर्ण सुधार कार्य रेल परिचालन को बाधित किए बिना, निर्धारित संरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए सम्पन्न किया गया, जिससे परिचालन निरंतरता और संरक्षा दोनों सुनिश्चित रहीं । दिनांक 29 नवंबर 2025 को 12:05 बजे से 17:05 बजे तक प्राप्त

ट्रैफिक ब्लॉक अवधि में यह कार्य अत्यंत सावधानी एवं दक्षता के साथ सम्पन्न किया गया । कार्य के दौरान 90 श्रमिक, 41 विभागीय कर्मचारी तथा पी.वे. सुपरवाइजर एवं अधिकारी स्थल पर उपस्थित रहे । संयुक्त प्रयासों के फ्लस्वरूप क्रॉसओवर की लंबाई को 2.33 मीटर बढ़ाकर कुल 95.35 मीटर कर दिया गया तथा पूर्व में विकसित वक्रता (किंक) को पूर्णत: समाप्त कर क्रॉसओवर की वांछित ज्योमेट्री पुनर्स्थापित की गई । सामान्यत: इस प्रकार के क्रॉसओवर सुधार कार्यों में टी-28 मशीनों का उपयोग किया जाता है, लेकिन ब्रजराजनगर में एसपीएन रोलर विधि अपनाई गई, जिसने कम समय में, बिना आस-पास की लाइनों पर अतिरिक्त ब्लॉक की आवश्यकता के, अत्यधिक सटीकता और संरक्षा के साथ कार्य को सम्पन्न किया । टी-28 मशीनों के उपयोग में बीआरएन (मालगाड़ी/ वैगन) पर लोडिंग-अनलोडिंग की आवश्यकता तथा अतिरिक्त लाइन ब्लॉक लेने की बाध्यता होती है, जबकि एसपीएन रोलर विधि इन जटिलताओं से मुक्त रहते हुए अधिक प्रभावी और व्यवहारिक सिद्ध हुई । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पहली बार अपनाई गई यह तकनीक भविष्य में ऐसे कार्यों के लिए एक सशक्त विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है । इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा टीआरडी विभागों के तकनीकी ज्ञान, उत्कृष्ट समन्वय एवं सक्रिय भागीदारी के परिणामस्वरूप यह कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर सफ्लतापूर्वक पूरा किया गया ।

बांकीमोगरा पुलिस ने कसा कबाड़ गिरोह पर शिकंजा..

कोरबा। जिले के बांकीमोगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने अर्ध रात्रि एक बड़ी कार्यवाही करते हुए रेलवे संपत्ति चोरी करने वाले सक्रिय कबाड़ गिरोह का खुलासा किया है। बताया जा रहा हैं की पुलिस को एक संदिग्ध वाहन के आवाजाही की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर तत्काल घेराबंदी की गई। कार्रवाई के दौरान उक्त संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस टीम हतप्रभ रह गई। वाहन में रेलवे ट्रैक के कई बड़े-बड़े टुकड़े, गैस कटर, सिलेंडर और कटिंग उपकरण बरामद हुए।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह सुनसान इलाकों में रेलवे लाइन को काटकर कबाड़ी बाजार में मोटी कीमत पर बेचने की फिराक में था। सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि रेलवे ट्रैक तक काट डाले गए और रेलवे विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। यह घटना सुरक्षा व्यवस्था और रेलवे की निगरानी प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। रेलवे ट्रैक काटने जैसी कार्यवाही न केवल सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाती है, बल्कि यात्रियों की जान के लिए भी बड़ा खतरा बन सकती है। पुलिस ने मौके से मिले आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि इस अवैध कारोबार में कई और लोग भी शामिल हो सकते हैं।

दिसंबर महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद खास

दिसंबर महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। पूरे माह में कई व्रत, पर्व और पावन तिथियाँ आने वाली हैं, जो जीवन में सुख, शांति और सौभाग्य का संचार करती हैं। साल के अंतिम महीने दिसंबर में अगर बहुत सारी ठंड पड़ती है तो वहीं दूसरी ओर ये बहुत सारे उपवास और व्रत भी लेकर आता है, दूसरे शब्दों में कहा जाए तो दिसंबर का महीना हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष और पौष मास का संगम होता है। साल के अंतिम महीने में कई प्रमुख व्रत, पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं। धार्मिक आस्था, पूजा-पाठ और शुभ कार्यों के लिए यह महीना विशेष है। यहां हम आपके लिए लाए हैं व्रत और त्योहारों की एक पूरी लिस्ट, जिसको देखकर आप पूरे महीने की प्लानिंग आसानी से कर सकते हैं।

दिसंबर में पड़ने वाले प्रमुख व्रत और त्योहार

1 दिसंबर 2025, सोमवार- मोक्षदा एकादशी -गीता जयंती।

2. दिसंबर, मंगलवार को प्रदोष व्रत का विशेष महत्व रहेगा।

4. दिसंबर, गुरुवार को अन्नपूर्णा जयंती, दत्तात्रेय जयंती और मार्गशीर्ष पूर्णिमा का त्रिवेणी संगम पड़ेगा।

5. दिसंबर, शुक्रवार से पौष माह की शुरुआत होगी।

7. दिसंबर, रविवार को अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा।

15. दिसंबर, सोमवार को सफला एकादशी का शुभ अवसर है।

16. दिसंबर, मंगलवार को धनु संक्रांति तथा खरमास की शुरुआत होगी।

17. दिसंबर, बुधवार को एक बार फिर प्रदोष व्रत आएगा।

19. दिसंबर, शुक्रवार को पौष अमावस्या रहेगी।

24. दिसंबर, बुधवार को विनायक चतुर्थी का व्रत किया जाएगा।

27. दिसंबर, शनिवार को गुरु गोविंद सिंह जयंती मनाई जाएगी।

30. दिसंबर, मंगलवार को पौष पुत्रदा एकादशी का पर्व है।

31. दिसंबर, बुधवार को वर्ष का समापन बैकुंठ एकादशी के अत्यंत शुभ योग के साथ होगा।

किचन में न रखें ये चीजें

रसोई घर या किचन की ऊर्जा सकारात्मक होना बेहद जरूरी है। वहीं, कई बार हम जाने-अनजाने में रसोई घर में ऐसी चीज रख देते हैं, जिनसे नेगेटिव ऊर्जा का संचार होता है। किचन की नेगेटिव एनर्जी आपके भोजन को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए खुद को और परिवार को स्वस्थ रखने और घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के लिए किचन में रखी इन चीजों को आज ही बाहर निकाल दें।

- कभी भी किचन में ज्यादा समय तक गुथा हुआ आटा नहीं रखना चाहिए। फ्रिज या किचन में रात भर के लिए गुथा हुआ आटा रखने से राहु और शनि के बुरा प्रभाव झेलने पड़ सकते हैं साथ ही नेगेटिव ऊर्जा भी बढ़ जाती है।
- कुछ लोग अपने किचन को

सजाने के लिए शीशे का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, किचन में लगा कांच का शीशा नेगेटिव ऊर्जा का कारण बन सकता है। रसोई घर में आईना लगाने से घर की सुख-शांति छिन सकती है।
- किचन में गंदगी नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनती है। वहीं, कभी भी रात में किचन में जूठे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। रातभर किचन में जूठे बर्तन रखने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं और आपकी आर्थिक स्थिति भी डगमगा सकती है।
- कुछ लोगों को किचन में दवाइयां रखने की आदत होती है। घर के रसोई में दवाइयां रखने से घर के सदस्यों खासतौर पर मुखिया की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए रसोई घर में दवाइयां न रखें।

आंखों पर ठंड का असर

सर्दियों के मौसम का कहर जारी है और उत्तर भारत में लोग ठंड से सिकुड़ रहे हैं। ऐसे में खानपान का और बॉडी का खास ख्याल रखने के लिए एक्सपर्ट बता रहे हैं। शरीर को केवल बाहरी लेयर से ही नहीं बल्कि अंदर से मजबूत बनाने की जरूरत होती है। जिससे कि इम्यूनिटी मजबूत रहे और शरीर गर्म रहे जिससे ठंड ना लगे। बॉडी के सारे अंगों की तरह ही आंखों की देखभाल भी जरूरी होती है। अक्सर घर से बाहर निकलते वक्त हम शरीर को तो अच्छी तरह से प्रोटेक्ट कर लेते हैं। लेकिन आंखों पर जरा भी ध्यान नहीं देते। जिसकी वजह से कई बार आंखों में ठंड लग जाती है और इन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तो चलिए जानें ठंड लग जाने पर आंखों में कौन सी दिक्कतें नजर आती हैं और इनसे कैसे बचा जाए।

ठंड लगने पर आंखों में दिखते हैं ये लक्षण:

ठंड की वजह से हवाओं में नमी नहीं रहती। वहीं घर के अंदर भी लोग हीटर, ब्लोअर चलाकर रखते हैं जिससे कि कमरा गर्म रहे। ऐसे में आंखों पर इसका बुरा असर पड़ता है और आंखों के नेचुरल टीयर्स खत्म होने लगते हैं। ऐसे में ये लक्षण दिखते हैं।

- आंखों में ड्राईनेस महसूस होती है।
- आंखों में खुजलाहट होती है

और इरिटेशन महसूस होती है।
- इसके साथ ही आंखों में लालपन रहता है और कई बार दर्द भी महसूस होता है।
- कम तापमान की वजह से वायरस तेजी से फैलते हैं और आंखों में ठंड की वजह से कई बार कंजेटिवाइटिस होने का भी डर रहता है।
- अगर आप बहुत ज्यादा देर ठंड में बाहर हैं और लगातार आंखों में सर्द हवाएं लग रही हैं तो इनकी वजह से कॉर्निया को भी नुकसान हो सकता है।

ठंड से आंखों को कैसे बचाएं:

- घर से निकलने के साथ ही सनग्लासेज जरूर लगाएं। ये चश्मे ना केवल धूप से बचाते हैं बल्कि सर्द हवाओं को सीधे आंखों पर लगने से भी प्रोटेक्ट करते हैं।
- आंखों में लूब्रिकेटिव आई ड्रॉप्स डालें, जिससे आंखों में ड्राईनेस की समस्या खत्म हो।
- घर और ऑफिस में जलने वाले हीटर और गर्माहट फैलाने वाली चीजों की वजह से ड्राईनेस हो जाती है। ऐसे में आंखों को मॉइश्चर देना जरूरी है।
- आंखों को बार-बार झपकाते रहें, जिससे कि आंखों में मॉइश्चर बना रहे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें भले ही प्यास ना लगे। इससे आंखों में भी मॉइश्चर बना रहता है।
- विटामिन एक, सी और ई से भरपूर फूड्स खाएं। गाजर, आंवला, मटर, सेम, चुकंदर, फूलगोभी, ये सारे फूड्स आंखों के लिए फायदेमंद है।

बच्चों के लिए हो प्यार भरा माहौल

माता-पिता को अपने बच्चे को सुरक्षित तथा प्यार भरा माहौल भी देना होगा,ताकि वे अपनी समस्याओं से अकेले जूझने की बजाय सहजता से अपनी समस्याएं और मन की बातें आपके साथ साझा कर सकें। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अब जागरूकता फैलाने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार माता-पिता को अपने बच्चे को सुरक्षित और खुशनुमा माहौल तैयार करना होगा, क्योंकि ज्यादातर समय बच्चों का अपने पैरेंट्स के साथ घर में बीतता है। ऐसे में हर माता-पिता को अपने नन्हें-मुन्ने बच्चों का ख्याल रखना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में अच्छे नागरिक बन सकें। आइए जानते हैं बच्चों पर ध्यान देने योग्य बातें...

नियमित संवाद है जरूरी

अपने बच्चे के साथ खुला और सहज संवाद बनाकर रखें। उनकी भावनाएं समझने की कोशिश करें और यदि वह आपके साथ कुछ साझा करते हैं,तो उनके ऊपर भरोसा जरूर जताएं। उन्हें यकीन दिलाएं कि आप उनकी परेशानी समझती हैं और उसे सुलझाने के लिए हमेशा उनके साथ हैं।

बनाएं दोस्ती का रिश्ता

हमेशा माता-पिता की तरह व्यवहार करने के बजाय अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कायम करें। उनके शौक का हिस्सा बनकर, तल्लीनता से उनकी बातें सुनकर और सामान्य गलतियों को हंसकर टाल देने से आपके और बच्चों के रिश्ते में मजबूती आएगी और वह आपसे बिना डरे अपनी बातें साझा कर सकेंगे।

कायम करें मिसाल

बच्चों का पहला स्कूल घर और पहले गुरु उनके अभिवाभक ही होते हैं। यानी उनमें अच्छी या बुरी आदतों की नींव घर से ही पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि उनके सामने आप अपनी मजबूत और संवेदनशील छवि कायम करें। जो गुण आप उनके भीतर देखना चाहते हैं, उन्हें पहले अपने व्यक्तित्व में शामिल करें। आपको देखकर बच्चे को खुद-ब-खुद आपके जैसा बनने की प्रेरणा मिल जाएगी।

थोड़ी ढील भी है जरूरी

बच्चों को अनुशासन सिखाना बहुत जरूरी है, लेकिन हर समय इसका पाठ पढ़ाने से वह तनाव की चपेट में आ सकता है। आज के जमाने में छोटी कक्षाओं से ही उन पर पढ़ाई और परीक्षाओं का बहुत दबाव होता है, इसलिए कभी-कभार उन्हें छुट्टी देनी भी जरूरी है, जिसमें वह सिर्फ खेल-कूद और मस्ती कर सकें। ऐसा करने से बच्चा न केवल तरोताजा हो जाएगा बल्कि उसे भरोसा भी होगा कि आप हर समय सिर्फ सख्ती नहीं बरतती हैं।

अच्छी आदतों को प्रोत्साहन

मानसिक सेहत दुरुस्त रखने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य का अच्छा होना बहुत जरूरी है। इसलिए बचपन से ही अपने बच्चे में अच्छी आदतों की नींव डालें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय से जागने और सोने का सही समय तथा भावनात्मक स्थिरता कुछ ऐसे अच्छे गुण हैं, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने के लिए जरूरी हैं।

यथार्थवादी बनना सिखाएं

जीवन में सब कुछ हमारी मर्जी के मुताबिक नहीं होता है और ऐसा भी जरूरी नहीं कि हमेशा आप अव्वल ही आएं। अपने बच्चे को व्यवहारिक बनने का हुनर सिखाएं ताकि वह जीत की खुशी के साथ हार को भी सकारात्मक तरीके से स्वीकार सके। जब हम खुले दिल से परिणाम स्वीकारना सीख जाते हैं, तो तनावग्रस्त होने की आशंका अपने आप कम हो जाती है।

दिमाग को शांत रखता है मकरासन

आजकल की भागती-दौड़ती जिंदगी में तनाव लोगों के जीवन का एक हिस्सा बनकर रह गया है। जिससे निजात पाने के लिए वो कई तरह के उपाय भी आजमाते हैं,लेकिन समस्या जस की तस बनी रहती है। अगर आप भी अपने बिजी लाइफस्टाइल की वजह से अकसर तनाव से घिरे रहते हैं तो मकरासन को अपने रूटिन का हिस्सा बना लें। मकरासन संस्कृत के दो शब्द मकर और आसन से मिलकर बना है। मकर का अर्थ मगरमच्छ और आसन का मतलब पोज यानि पॉश्चर से होता है। अंग्रेजी में इस आसन को क्रोकोडाइल पोज भी कहा जाता है। मकरासन का नियमित अभ्यास व्यक्ति के अंगों को रिलैक्स करके मन को शांत रखने में मदद करता है। जिससे व्यक्ति को बैचेनी,डिप्रेशन,उलझन और माइग्रेन जैसी समस्या में राहत मिलती है।

मकरासन करने का तरीका

मकरासन करने के लिए सबसे पहले किसी खुली जगह पर अपना योगा मैट बिछाकर उस पर पेट के बल लेट जाएं। इसके बाद अपनी दोनों कोहनियों को जमीन पर टिकाते हुए अपना सिर और कंधे को ऊपर की तरफ ले जाएं। हथेलियों का स्टैंड बनाकर इस पर ठुड्डी को रखकर गहरी सांस लें और छोड़ें। अगर इस आसन को करते समय कमर पर ज्यादा जोर पड़ रहा हो,तो कोहनियों को हल्का और फैला दें। अब धीरे-धीरे अपने दोनों पैरों को नीचे से ऊपर की ओर ले जाते हुए धीरे-धीरे नीचे से ऊपर लेकर जाएं। यह एक चक्र होता है, इस तरह से आप दस चक्र कर सकते हैं।

मकरासन के फायदे

पेट की समस्या करें दूर

नियमित रूप से मकरासन का अभ्यास करने से पाचन तंत्र बेहतर होता है। इस आसन का नियमित अभ्यास थकावट और बदन दर्द को दूर करके पेट की मांसपेशियों को टोन करके कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। जिससे पेट से जुड़ी हुई कई बीमारियां दूर हो सकती हैं।

सांस संबंधी समस्या

मकरासन श्वांस संबंधी दमा जैसी परेशानियों से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। मकरासन करते समय श्वास लेने और छोड़ने की वजह से व्यक्ति के फेफड़े मजबूत बनते है। स्वच्छ वायु अंदर लेने से छाती तंदुरुस्त रहती है जिससे श्वास संबंधी बीमारियों में लाभ मिल सकता है।

तनाव होता है दूर

मकरासन करने से हाइपरटेंशन व मानसिक रोगों से राहत मिलती है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव दूर होने के साथ मन को शांत और एकाग्र बनाए रखने में मदद मिलती है। जिन बच्चों का पढ़ने में मन नहीं लगता, वे इस आसन को करेंगे तो उन्हें फायदा मिलेगा। ये आसान करने में बेहद सरल है कि कोई भी व्यक्ति आसन से कर सकता है।

कच्चे केले का चोखा

भरता....नाम सुनते ही कई लोग के मुंह में पानी आ जाता है। पूरी हो या फिर पराठा भरता काफी अच्छा लगता है। हालांकि, कुछ सब्जियां होती ही ऐसी हैं जिनका भरता ही बनाया जाता है जैसे- बैंगन आदि। मगर हर बार बैंगन का भरता नहीं खाया जा सकता, खाते-खाते हम बोर हो जाते हैं। इसलिए अब वक्त है कुछ नया ट्राई करने का, जी हां अगर आप चाहें तो कच्चे केले का भरता बनाकर खा सकते हैं। बता दें इसे आप न सिर्फ रोटी बल्कि लिट्टी के साथ भी सर्व कर सकते हैं। केले का भरता को कई लोग चोखा के नाम से भी जानते हैं और इसे सिर्फ लिट्टी के साथ बनाते हैं। बता दें कि कच्चे केले से आप बहुत आसानी से भरता बना सकते हैं। हालांकि, इसे बनाने के कई तरीके हैं जिसे लोग अपनी पसंद के हिसाब से बनाते हैं। मगर हम बिल्कुल बिहारी स्टाइल में चोखा तैयार करेंगे। वैसे तो बैंगन या आलू का चोखा बनाया जाता है, जिसे बनाने में काफी वक्त लगता है। मगर यकीन मानिए केले का चोखा बनाने में आपको ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

बनाने का तरीका

चोखा बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे केले को धोकर पतले-पतले हिस्सों में काट लें। फिर प्रेशर कुकर में पानी डालकर केले को उबाल लें। केले को उबालने के लिए आप पतीली का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब केले उबल जाएं तो मैश करके रख दें। मैश करने के लिए चम्मच की मदद ले सकते हैं। अब एक बड़ा बर्तन लें और 1 से 2 चम्मच तेल डालकर गर्म होने दें। जब तेल गर्म हो जाए तो कटी हुई प्याज, टमाटर डालकर हल्का ब्राउन कर लें। प्याज पक जाने के बाद मैश किए हुए केले डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें। मिक्स करने के बाद केले में तमाम मसाले जैसे- नमक, हरी चटनी, लाल मिर्च, अमचूर पाउडर, अदरक, धनिया के पत्ते आदि डाल दें। लगभग 10 मिनट तक पका लें और गैस बंद कर दें। बस आपका स्वादिष्ट चोखा तैयार है, जिसे आप लिट्टी के साथ सर्व कर सकते हैं।

हेल्दी हैबिट्स अपनाएं

मेंटली स्ट्रांग होना जरूरी है। इसका असर रोजमर्रा के कामों पर भी पड़ता है। हर दिन के छोटे-मोटे काम और बातों का असर अक्सर दिमाग पर होता है और इंसान स्ट्रेस या तनाव में आ जाता है। इस तरह के तनाव से निपटने के लिए हर दिन किए गए काम ही मदद करते हैं। अगर स्ट्रेस फ्री लाइफ जीनी है तो कुछ हेल्दी हैबिट्स को फॉलो करना शुरू कर दें। जिससे कि मेंटल हेल्थ पर असर ना पड़े।

बैलेंस डाइट

रोजमर्रा के खाने में हम जो भी खाते हैं उसका असर केवल शरीर पर ही नहीं बल्कि दिमाग पर भी होता है। इसलिए हमेशा हेल्थ को बैलेंस करने वाले फूड खाने चाहिए। अनाज, दाल, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स के सा ही थोड़ी मात्रा में कार्ब्स भी जरूरी है। साथ ही कैफीन, चाय, एल्कोहल, मीठे फूड को छोड़ने से मेंटल हेल्थ पर असर दिखने लगेगा।

फिजिकल एक्टीविटी है जरूरी

अगर आप दिनभर बैठे रहते हैं और फिजिकली काफी कम एक्टिव हैं। तो इसका बुरा प्रभाव मानसिक तनाव के रूप में भी दिखेगा। हर दिन किया गया फिजिकल वर्क शरीर में एंडोर्फिन हार्मोंस को बढ़ाता है। जो कि मूड बूस्टर हार्मोन है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

तनाव को कम करना है तो खुद की सांसों पर नियंत्रण जरूरी है। इसके लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज, योग, मेडिटेशन को डेली लाइफ में शामिल करें। ये सारी एक्सरसाइज दिमाग को शांत रखने में मदद करती है। अगर आप तनाव की स्थिति में गहरी सांस लेना शुरू कर देते हैं तो ये आपको स्ट्रेस होने से रोक सकती है।

आर्गन ऑयल से पाएं चेहरे में निखार

चेहरे को निखरा और बेदाग बनाने के लिए हर दिन लड़के और लड़कियां स्ट्रगल करते हैं। ऐसे में एक तेल है जो इन समस्याओं को जड़ से खत्म कर सकता है। आर्गन ऑयल काफी मशहूर तेल है, जिसे आयुर्वेद में भी गुणकारी माना गया है। ये खास तरह के नट्स होते हैं जिनसे निकला तेल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस तेल को रोजाना लगाने से स्किन की इन समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

स्किन का ढीलापन खत्म करे

आर्गन ऑयल का इस्तेमाल एंटी एजिंग ट्रीटमेंट के लिए किया जाता है। इसे रोजाना चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बढ़ती है। जिससे स्किन में होने वाले ढीलेपन से छुट्टी मिलती है।

ऑयली स्किन के लिए फायदेमंद

ऑयली स्किन से परेशान लोगों को चेहरे पर आर्गन ऑयल का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। इस तेल को लगाने से स्किन में हो रहे ज्यादा सीबम प्रोडक्शन को रोकने में मदद मिलती है। जिससे स्किन का तैलीयपन कम होता है। रोजाना कुछ बूंद आर्गन ऑयल की लगाने से ऑयलीनेस दूर होती है।

स्ट्रेच मार्क्स कम करता है

आर्गन ऑयल स्किन के ढीलेपन को खत्म करता है। इसलिए अगर इसे स्ट्रेच मार्क्स पर लगाया जाए तो ना केवल स्ट्रेच मार्क्स को कम करता है बल्कि इसके निशान को भी हल्का करने में मदद करता है।

स्किन को मॉइश्चराइज करता है

आर्गन ऑयल स्किन को मॉइश्चराइज तेजी से करने में मदद करता है। इसीलिए इसका इस्तेमाल ज्यादातर क्रीम और मॉइश्चराइजर में किया जाता है। ये स्किन में पानी की मात्रा को बनाकर रखता है। जिससे स्किन हाइड्रटेड रहती है और ग्लो भी करती है।

सन प्रोटेक्शन

आर्गन ऑयल स्किन को धूप से होने वाले डैमेज से बचाने में भी हेल्प करता है। सनबर्न, हाइपरपिग्मेंटेशन से आर्गन ऑयल बचाव करता है। आर्गन ऑयल की कुछ बूंदों को रोजाना लगाने से स्किन को ग्लो मिलता है और हाइपपिग्मेंटेशन की समस्या भी खत्म होने लगती है।

सुबह जल्दी उठने के फायदे

सुबह जल्दी उठने के कई फायदे होते हैं। साइंस के अनुसार, सुबह जल्दी उठना हमारे शरीर और दिमाग के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। सुबह के समय हमारा शरीर कॉर्टिसोल नामक हार्मोन का स्राव करता है जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है। इसलिए सुबह जल्दी उठने से हम पूरे दिन के लिए तनाव मुक्त महसूस करते हैं। साथ ही, सुबह की ताजी हवा में सांस लेने से दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है जिससे विचार करने,समझने और याद करने की शक्ति बेहतर होती है।

दिमाग तंदरुस्त

इसके अलावा, सुबह में व्यायाम और योग करने से भी दिमाग और शरीर दोनों ही बेहतर ढंग से काम करते हैं। शोधों से पता चला है कि सुबह के समय किया गया व्यायाम वजन कम करने और फिटनेस लेवल बढ़ाने में अधिक प्रभावी होता है। इस प्रकार, साइंस की दृष्टि से देखा जाए तो सुबह जल्दी उठकर हल्का व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। यह हमारे शरीर और दिमाग को तंदरुस्त बनाए रखने में मदद करता है।

तनाव कम होना

दरअसल, सुबह के समय हमारा शरीर कुछ खास हार्मोन्स बनाता है जिनसे हमारा मूड अच्छा रहता है। जो स्ट्रेस और तनाव कम करने का काम करता है। अगर हम सुबह 4-5 बजे के बीच में उठ जाएं, तो हमारा शरीर पर्याप्त मात्रा में कॉर्टिसोल बना लेता है। दिनभर के कामों को करने का मन बेहतर रहता है। यही कारण है कि सुबह की सैर या व्यायाम भी अधिक लाभदायक होता है। इसलिए डॉक्टर भी सुबह जल्दी उठने की सलाह देते हैं।

दिमाग होता है तेज

सुबह जल्दी उठने से दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे हमारी याददाश्त और ध्यान देने की क्षमता बेहतर होती है। दरअसल, सुबह के समय हवा में ऑक्सीजन की मात्रा सबसे अधिक होती है। जब हम सुबह जल्दी उठकर हल्की सैर करते हैं या योगाभ्यास करते हैं, तो हमारे फेफड़ों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलती है। यह ऑक्सीजन हमारे रक्त के जरिए दिमाग तक पहुंचती है और दिमाग को ताजा बनाती है। ताजा दिमाग से हमारी स्मरण शक्ति, ध्यान केंद्रित करने, विचार करने की क्षमता में सुधार होता है। यही कारण है कि डॉक्टर भी सुबह की सैर की सलाह देते हैं।

अपने अपने क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए चार विभूतियों का हुआ सम्मान।

प्रेस क्लब ऑफ कुम्हारी का वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह संम्पन्न

कुम्हारी। प्रेस क्लब ऑफकुम्हारी का 11 वां वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह प्रेस क्लब सभागार में संम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कुम्हारी नगर पालिकाध्यक्ष मीना वर्मा, अति विशिष्ट अतिथि शशांक शर्मा (अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी) एवं वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि मीना वर्मा ने कहा कि नगर के लिए यह गर्व की बात है कि यहां ऐसी प्रतिभाएं मौजूद हैं और इनकी प्रतिभा को पहचानकर पत्रकारों ने इनका सम्मान किया इसके लिए सभी पत्रकारों को साधुवाद। विशिष्ट अतिथि शशांक शर्मा ने कहा कि वाकई कुम्हारी के पत्रकार साथी इसके लिए बधाई के पात्र हैं जहां तक मैं जानता हूँ पत्रकार समाचारों का संकलन करता है और उसे प्रकाशन हेतु भेजता है लेकिन यहां के पत्रकार समाज से जुड़कर कार्य कर रहे हैं इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। विशिष्ट अतिथि एवं वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल शर्मा ने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभाओं को निकालकर उनका सम्मान कर उन्हें बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करना बेहद गर्व की बात है और कुम्हारी प्रेस क्लब के पत्रकार साथी इस काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं वे सभी बधाई के पात्र हैं इससे लोगों में समाज हित मे कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। अतिथि हितेश शर्मा ने इस प्रयास को अभूतपूर्व बताते हुए अन्य संगठनों को भी ऐसा करने की बात कही। इस वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए लता रघुकुमार, कला के क्षेत्र में राजेंद्र साहू, साहित्य के क्षेत्र में मुरारीलाल साव एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने हेतु शैलेन्द्र खरे को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत मे अध्यक्ष विक्रम शाह ठाकुर ने कहा कि विगत 11 वर्षो से यह सिलसिला चलता आ रहा है समाज हित मे और समाज के लिए किए गए सराहनीय कार्यो के लिए हम लोगों का सम्मान करते आ रहे हैं यह हमारी ओर से उन विभूतियों के लिए एक छोटा सा प्रयास है ताकि इनके पदचिन्हों में चलकर और लोग भी समाज के लिए कार्य करने आगे आएंगे। इस आयोजन में बड़ी संख्या में पत्रकार एवं साहित्यकारों सहित नगर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुरेश वाहने एवं रविन्द्र कुमार थापा ने किया। आभार अजय यादव ने प्रस्तुत किया।

सीजीपीएससी में 35वीं रैंक हासिल कर अमन नायक ने बढ़ाया पाटन का मान

जितेन्द्र वर्मा बोले: मेहनत और संकल्प की मिसाल

दुर्ग/पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र के देवादा गांव के लिए गर्व का क्षण है, जहां के होनहार युवा अमन नायक (पुत्र रूपनारायण 'रूपू' नायक) ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए 35वीं रैंक हासिल की और अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी पद पर चयनित हुए। इस उपलब्धि पर भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा देवादा पहुंचकर अमन नायक एवं उनके परिवार से मुलाकात की और उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अमन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा–अमन नायक की सफलता अथक परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। वे प्रदेश और पाटन क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनकी यह उपलब्धि नई पीढ़ी में आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार करती है। वर्मा ने आगे कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि अमन नायक निरंतर सफलता प्राप्त करते रहें और अपने परिवार व क्षेत्र का नाम इसी प्रकार रोशन करें। इस अवसर पर उपस्थित रहे– खूबचंद वर्मा (आर.आई.), पोषण वर्मा, राजेंद्र वर्मा, केशव बंछोर, खिलेश (वासु) वर्मा, दिलीप वर्मा, मुकेश कुमार, करण वर्मा सहित गांव के अन्य सम्मानित नागरिक।

पावरग्रिड कुम्हारी में राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता- 2025 संम्पन्न

ऊर्जा संरक्षण के संदेश को बच्चों ने अपनी तूलिका से जीवंत किया

कुम्हारी। ऊर्जा संरक्षण के महत्व को रचनात्मकता के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से पावरग्रिड कुम्हारी ने राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता-2025 का सफल आयोजन किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रजनीश तिवारी, मुख्य महाप्रबंधक (परिसम्पत्ति प्रबंधन), प. क्षे.-1, पावरग्रिड उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि संजय खंडेलवाल (मुख्य अभियंता, सीएसपीडीसीएल) एवं निहार रंजन साहू (वरिष्ठ परियोजना समन्वयक, क्रेडा) ने बच्चों को ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रेरित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष आर.पी. साहू ने बताया कि इस वर्ष प्रतिभागिता पिछले वर्षो के मुकाबले दोगुनी रही, जिसमें बस्तर, सुकमा जैसे दूरस्थ जिलों से भी बच्चों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता-2025 में ऊर्जा संरक्षण के संदेश को बच्चों ने अपनी रचनात्मकता से जीवंत किया। ग्रुप-ए (कक्षा 5, 6 और 7) मे प्रथम स्थानः सान्वी संचिता, ओ पी जिंदल स्कूल, रायगढ़ (कक्षा 6), द्वितीय स्थानः अक्षिता सिंह, होलीक्रॉसस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बिलासपुर (कक्षा 7), और तृतीय स्थानः शिवम कुमार मेहर, पी एम स्कूल जे एन वी भूपदेवपुर, रायगढ़ (कक्षा 7) को मिला और ग्रुप-बी (कक्षा 8, 9 और 10) मे प्रथम स्थानः ऋषभ वर्मा, सेंट टेरेसा कान्वेंट स्कूल, रायगढ़ (कक्षा 8) द्वितीय स्थानः ख्याति पी., दिल्ली पब्लिक स्कूल, रायपुर (कक्षा 9) और तृतीय स्थानः स्तुती दुबे, सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल, कोरबा (कक्षा 8 'A') को प्राप्त हुआ। दोनों श्रेणियों के विजेताओं को क्रमशः रु. 50,000, रु. 30,000 और रु. 20,000 के पुरस्कार प्रदान किए गए।

कलेक्टर सिंह ने की निर्वाचक नामावलियों की विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने नगर निगम दुर्ग के सभाकक्ष में विधानसभा क्षेत्र दुर्ग शहर और नगर निगम भिलाई में विधानसभा क्षेत्र वैशाली नगर एवं भिलाई नगर में चल रहे निर्वाचक नामावलियों की विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की मतदान केन्द्रवार समीक्षा की। उन्होंने 55 प्रतिशत से कम वाले मतदान केन्द्र के बीएलओ से तथा 55 से 70 प्रतिशत वाले मतदान केन्द्र के बारे में सुपरवाइजर से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से समस्या की विस्तृत जानकारी ली। इसी प्रकार 70 से 90 प्रतिशत वाले केन्द्रों के संबंध में ईआरओ और एईआरओ से जानकारी ली। साथ ही शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के संबंध में रायशुमारी की गई। कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को प्राथमिकता के साथ सभी को समय पर पूर्ण किया जाना है। गणना पत्रक जमा करने के अंतिम तिथि के इन्तजार किये बगैर बीएलओ को संबंधित क्षेत्र के घर-घर जाकर गणना पत्रक संग्रहण करना होगा। जो मतदाता गणना पत्रक वापस जमा नहीं कर रहे हैं ऐसी स्थिति में पंचनामा तैयार कर इस पर मतदाता का हस्ताक्षर करवा कर रखें। इसी प्रकार बीएलओ द्वारा गणना पत्रक वितरण हेतु तीन बार मतदाता के घर जाने पर भी यदि मतदाता नहीं मिले तो घर में नोटिस चस्पा कर, मौके पर पंचनामा तैयार कर, ऐसे मतदाताओं का शिफ्टेट फर्म भरा जाए। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति मतदान केन्द्र से संबंधित वार्ड में निवासरत् नहीं है। वर्तमान में अन्यत्र निवास कर रहा है, ऐसे मतदाताओं को गणना पत्रक उपलब्ध न कराएं। कलेक्टर ने कहा कि सुपरवाइजर एवं बीएलओ यह सुनिश्चित करें कि 30 नवम्बर की रात्रि तक सभी मतदान केन्द्रों से संबंधित वितरित गणना पत्रक बीएलओ को वापस जमा हो जाएं। मेपिंग पश्चात् चिन्हांकित एएसडी की एन्ट्री रात्रि तक पूर्ण कर ली जाए। गणना पत्रक एन्ट्री पश्चात् आगामी दो दिनों में डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने अवगत कराया कि वर्तमान में सिंगल मल्टीपल लॉगिन चल रहा हैं। यदि निर्वाचन आयोग इसे बंद कर दिया तो गणना पत्रक एन्ट्री करना संभव नही हो पाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए गणना पत्रक संग्रहण हेतु सुपरवाइजर, बीएलओ एवं उनके सहायक कर्मचारी पूरा जोर लगाएं ताकि आगामी दो दिनों में संग्रहित पत्रकों का डिजिटाइजेशन किया जा सकें। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, दुर्ग शहर ईआरओ एडीएम अभिषेक अग्रवाल, भिलाई नगर ईआरओ अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, वैशाली नगर ईआरओ संयुक्त कलेक्टर शिल्ली थामस, आयुक्त नगर निगम दुर्ग सुमीत अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम भिलाई राजीव पाण्डे, दुर्ग शहर एसडीएम उत्तम ध्रुव एवं एईआरओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत जमराव में मितानीन दिवस पर हुआ सम्मान समारोह

पाटन। ग्राम पंचायत जमराव में दिनांक 29 नवंबर 2025, शनिवार को मितानीन दिवस का आयोजन गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मितानीन बहनों के साथ ही सुपरवाइजर, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं ग्राम पंचायत जमराव की सरपंच जागेश्वरी भेषकुमार सोनकर ने सभी मितानीन, सुपरवाइजर, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को साड़ी एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।सम्मानित मितानीनगण –उमा निषाद, पार्वती निषाद, संगीता नन्हारेसुपरवाइजर – रमादेवी साहूआँगनबाड़ी कार्यकर्ता –रामेश्वरी निषाद, सविता नन्हारे, नीरु धनकर, संतोषी सोनकर, सुनीता साहू, सविता नन्हारेतथा सभी सहायिकाओं को भी साड़ी एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पंच सुलोचना धनकर, नैना साहू, राजबती यादव, खोरबाहरा साहू, ग्रामीणजन परदेशी राम साहू, तथा ग्राम पंचायत के सचिव विष्णु प्रसाद बंजारे भी उपस्थित रहे। मितानीन दिवस का यह आयोजन ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में मितानीनों, आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने हेतु समर्पित रहा। कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता, सेवा भावना तथा सामुदायिक सहभागिता को और अधिक सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

सेलूद में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम का श्रवण

- भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' सुना

दुर्ग/सेलूद। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और विद्वानों की पावन धरती सेलूद ग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जनप्रिय कार्यक्रम ÷मन की बात के 128वें संस्करण का सामूहिक श्रवण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ भाग लिया। भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने इस अवसर पर कहा– मन की बात कार्यक्रम देश के हर नागरिक की भावनाओं, उम्मीदों और संकल्पों को नई दिशा देने वाला जनप्रेरणा का सशक्त माध्यम है। यह हमें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करता है। भाजपा जिला महामंत्री दिलीप साहू ने कहा–आदरणीय प्रधानमंत्री ने मन की बात के माध्यम से देशवासियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। उन्होंने वोकल फॉर लोकल, G20 बैठक, नेशनल म्यूजियम, स्वदेशी INS 'माहे', इसरो ड्रोन प्रतियोगिता, खाद्यान्न उत्पादन और संविधान दिवस सहित कई महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी साझा की। पाटन मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर ने कहा– मन की बात वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने सहित अनेक ऐतिहासिक व सामाजिक विषयों को उजागर कर देश के वर्तमान, अतीत और भविष्य का मार्गदर्शन करती है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने की सक्रिय उपस्थिति- कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा, जिला महामंत्री दिलीप साहू, मंडल अध्यक्ष मती रानी बंछोर, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू, हरप्रसाद आडिल, टामन साहू, कृष्ण कुमार साहू (मंडल महामंत्री), महेश्वर बंछोर, तारेन्द्र बंछोर, केशव बंछोर, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय समितियों की बैठक संपन्न, कलेक्टर ने बैंक खातों को सक्रिय कराने दिए निर्देश

दुर्ग। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक विगत दिवस कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में दुर्ग जिले की सभी बैंकों में संचालित विभिन्न सेवाओं व योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने जिले के शासकीय विभागों से संबंधित 1981 निष्क्रिय बैंक खातों जिनमें लगभग 9 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि लंबित है, तथा 1264 डीईएएफ(DEAF दावा रहित जमा राशि) खातों जिनमें लगभग 2 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि संचित है, उन सभी खातों को 30 नवंबर 2025 तक सक्रिय कराने के लिए खाताधारकों से संपर्क सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के लंबित आवेदनों को समयावधि में निराकृत कर लक्ष्य प्राप्ति हेतु सभी बैंक एवं विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग दुबे, भारतीय रिज़र्व बैंक से दिग्विजय राउत, अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गर्ग सहित डीआईसी, मत्स्य पालन, कृषि विभाग, नगर निगम, एनआरएलएम विभाग के अधिकारी एवं सभी बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित थे।

कुम्हारी के ट्रांसपोर्टर के गाड़ी नम्बर से बिहार में चल रही गाड़ी, आरटीओ की चलानी कार्यवाही से हुआ खुलासा

कुम्हारी। कुम्हारी के ट्रांसपोर्टर सर्वजीत सिंह की गाड़ी मांक सी जी 04 एल टी 5516 पर चालानी कार्यवाही की जानकारी भोजपुर बिहार आर टी ओ द्वारा विगत 27 नवम्बर को उनके मोबाइल नम्बर 9425205516 में दी गई उक्त ई चालान देख उन्हें हैरत हुई उन्होंने बताया कि उनकी गाड़ी कभीं भोजपुर बिहार गई ही नही है फिर उनकी गाड़ी का भोजपुर में ई चालान होना चौंका देने वाली बात थी। जबकि उनके इस नम्बर की गाड़ी अभी वर्तमान में अहमदाबाद गुजरात मे खड़ी है इस बात से यह स्पष्ट है कि कोई व्यक्ति उनकी गाड़ी का फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर गाड़ी चला रहा है। सर्वजीत सिंह ने इस बात की जानकारी कुम्हारी थाना में लिखित रूप से देकर कार्यवाही की मांग की है साथ ही ई चालान, टोल टैक्स की सम्पूर्ण जानकारी भोजपुर बिहार के आरटीओ को भी भेज दी है।

परसदा राशन दुकान में नवंबर महिने के लिए ओटीपी जनरेट, दिसंबर में मिलेगी राशन,कई हितग्राही हो सकते हैं वंचित

कुम्हारी। नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र के ग्राम परसदा वॉर्ड 12,16 में महीने के आखिर दिन राशन लेने के लिए हितग्राहियों की भीड़ रही। लोगों का कहना है कि लगातार दुकान नहीं खुलने के कारण वे राशन नहीं ले पाए हैं, और दुकानदार ने नमक और शक्कर का वितरण नहीं किया है। दुकानदार का कहना है कि राशन के आबंटन नहीं होने के कारण दुकान नहीं खोली गई थी, लेकिन अब राशन का स्टॉक होने पर हितग्राहियों को चावल और शक्कर देने के लिए खोला गया है। हालांकि, सर्वर डाउन होने की समस्या होने लगी है, जिससे ओटीपी नहीं आने पर हितग्राहियों को परेशानी हो रही है। लोगों में नाराजगी देखी जा रही है, क्योंकि उन्हें नवंबर माह का चावल और शक्कर नहीं मिलेगा यदि उनका ओटीपी नहीं होता है। इस ओर खाद्य विभाग के अधिकारी भी चुप्पी साधे हुए हैं, और लोगों को समय पर राशन मिल रहा है या नहीं, किसी को कोई मतलब नहीं है। वॉर्ड पार्षद डिकेंद साहू ने उक्त मामले में नाराजगी जाहिर की है। राशन कार्ड धारियों से मिली जानकारी के अनुसार हर महिने शुरुआती दौर में चावल नामक शक्कर दिया जाता है। फिर कुछ दिन बाद शक्कर नमक नहीं होने की हवाला देकर नही दिया जाता और हितग्राही पूरे महिने भर राशन दुकान के चक्कर काटते हैं शक्कर के लिए।इस बार तो हद हो गई महिने के आखिरी दिन नवंबर का चावल और शक्कर, नमक लेने दुकान में भिड़ देखने को मिला जिस पर जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी चुप चाप देख रहे हैं।आखिर लोगों को महिने का पूरा राशन एक साथ क्यों नही दी जाती।

प्रदर्शन पर चली पुलिस की लाठी, चक्का जाम हुआ फेल

बिल्डर नेता मनोज राजपूत सहित 6 गिरफ्तार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हाल ही में रजिस्ट्री शुल्क के नियमों में किए गए बदलावों के खिलाफ दुर्ग में पिछले आठ दिनों से जारी आंदोलन आज हिंसक हो गया, जिसके बाद प्रशासन को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करना पड़ा। इस कार्रवाई में बिल्डर समुदाय के नेता मनोज राजपूत समेत करीब 5 से 6 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, समाजसेवी और बिल्डर एसोसिएशन के सदस्य रजिस्ट्री शुल्क की बढ़ी हुई दरों को तत्काल वापस लेने की मांग कर रहे थे। अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए, सोमवार को प्रदर्शनकारियों ने काले कपड़े पहनकर और हाथों में काले झंडे लेकर विरोध मार्च निकाला।

प्रदर्शनकारियों ने दुर्ग के पटेल चौक पर पहुंचकर चक्का जाम करने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिस बल ने रैली को क्लेक्टर कार्यालय के समीप ही बैरिकेड लगाकर रोक लिया। जब प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास किया, तो पुलिस के साथ उनकी तीखी धक्का-मुक्की हुई।

स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब भीड़ में से किसी ने पुलिसकर्मियों पर डंडा युक्त झंडा फेंककर चोट पहुंचाने की कोशिश की और पानी की बोतलें भी फेंकीं।

हालात नियंत्रण से बाहर होते देख, पुलिस ने बल प्रयोग किया और आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने मौके से मनोज राजपूत सहित लगभग आधा दर्जन प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com